Dainik Samarat | जयपुर | रविवार, 30 अगस्त, 2026 | भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वितीया विक्रम संवत - 2083 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 08 | वर्ष : 01 | अंक : 358

@pg-8

आप पढ़ रहे हैं निष्पक्ष, निर्भीक, निडर समाचार पत्र

दैनिक सम्राट

www.dainiksamrat.in

दैनिक सम्राट में खबरें प्रकाशित करवाने के लिए वाट्सअप नं. पर खबरें भेंजे...
9460004756

चिली में तैयार हो रहा 260 फीट ऊंचा टेलीस्कोप

अब ब्रह्मांड के पार: सितारों से आगे की दुनिया देखेगा इंसान

दैनिक सम्राट

नई दिल्ली। कल्पना कीजिए, धरती पर एक ऐसी आंख तैयार हो रही है जो इंसानी आंख से अरबों गुना अधिक रोशनी जुटा सके और इतनी दूर तक देख सके, जहां आज के टेलीस्कोप भी सीमित पड़ जाते हैं। चिली के अटाकामा रेगिस्तान में यूरोपीय सदर्न आब्जर्वेटरी (ईएसओ) ऐसा ही टेलीस्कोप तैयार कर रही है। इसका नाम है एक्सट्रीमली लार्ज टेलीस्कोप (ईएलटी) और पूरा होने के बाद यह दुनिया का सबसे बड़ा आप्टिकल/इन्फ्रारेड टेलीस्कोप होगा।

इसकी लागत करीब 15 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। ये प्रोजेक्ट 16 देशों की सहभागिता से चलाया जा रहा है और 2016 में इसकी नींव पड़ी थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टेलीस्कोप का गुंबद करीब 80 मीटर यानी 260 फीट ऊंचा होगा। इसके मुख्य लेंस का व्यास 39 मीटर यानी करीब 128 फीट होगा। यह दर्पण एक टुकड़े का नहीं, बल्कि 798 षट्कोणीय खंडों से मिलकर बनेगा। प्रत्येक खंड का वजन करीब 10 टन है। ईएसओ को उम्मीद है कि टेलीस्कोप 2030 के अंत तक विज्ञानी अवलोकनों के लिए तैयार हो जाएगा। अत्यधिक कठोर मौसम वाले इलाके में टेलिस्कोपइतना विशाल टेलीस्कोप किसी शहर के आसपास नहीं, बल्कि अटाकामा के बेहद दूर-दराज इलाके में बनाया जा रहा है।

वजह कि अटाकामा दुनिया के सबसे शुष्क इलाकों में गिना जाता है। यहां आसमान बेहद साफ रहता है और वातावरण में नमी तथा बादलों की मात्रा बहुत कम होती है। बारिश भी कई साल में एक बार होती है। खगोल विज्ञान के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है।

पृथ्वी का वायुमंडल तारों से आने वाली रोशनी को थोड़ा-बहुत बिगाड़ देता है। वातावरण में नमी, धूल और हवा की हलचल जितनी कम होगी, टेलीस्कोप उतनी ही साफ तस्वीर हासिल कर सकेगा। लेकिन इंसानों के लिए यही जगह आसान नहीं है।

ब्रह्मांड की संरचना की सटिक जानकारी संभव

विज्ञानियों को उम्मीद है कि ईएलटी हमारी आकाशगंगा के सबसे पुराने तारों का अध्ययन करने, उनके इतिहास और उम्र को बेहतर समझने तथा आकाशगंगा के केंद्र के आसपास तारों की गति पर नजर रखने में मदद करेगा। इससे गुरुत्वाकर्षण और ब्रह्मांड की संरचना से जुड़े मौजूदा सिद्धांतों की भी अधिक सटीक जांच संभव हो सकती है।

नेपाल बाढ़ में मौत का आंकड़ा 682 हुआ, 287 भारतीयों समेत 3000 लापता

800 मीटर लंबा ग्लेशियर टूटने से आई तबाही

दैनिक सम्राट

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत में 26 अगस्त को आई बाढ़ में मरने वालों का आंकड़ा 682 हो गया है। करीब 3,000 लोग अब भी लापता हैं। इनमें 287 भारतीय भी शामिल हैं। इस तबाही के तीन दिन बाद ग्लेशियर टूटने का वीडियो सामने आया है। तिब्बत में एक टूर गाइड ग्रुप ने ऊंचाई से इसे रिकॉर्ड किया था। वीडियो में बर्फ और चट्टानों से बना करीब 800 मीटर लंबा ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर घाटी में गिरता दिखाई दे रहा है।

ग्लेशियर टूटने के बाद बड़े पैमाने पर मलबा और पानी नीचे की ओर बहा। इसके साथ भूस्खलन हुआ और अचानक आई बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में भारी तबाही मचाई। बाढ़ के बाद नेपाल और चीन में राहत-बचाव अभियान जारी है।

287 भारतीय अभी भी लापता

नेपाल में इस आपदा से 675 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तिब्बत में 7 लोगों की मौत की पुष्टी की गई है। करीब 3000 लोग लापता हैं। इनमें 187 भारतीय भी शामिल हैं। 400 भारतीय अभी तिब्बत में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बाद में कहा कि यह लैंगटांग नेशनल पार्क (नेपाल) में ग्लेशियर से जुड़े लैंडस्लाइड (ढलान फिसलन) से उत्पन्न हुआ। इसकी ऊर्जा लगभग 5.2 तीव्रता के भूकंप के बराबर थी। भारत के रिमोट सेंसिंग केंद्र ने प्रारंभिक रूप से कहा कि 4.9 तीव्रता के भूकंप ने तिब्बत की ओर ग्लेशियर को ढहाया। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट का कहना है कि ट्रिगर अभी भी अनिर्धारित है। उपग्रह चित्रों के आधार पर, ग्लेशियर का एक हिस्सा नेपाल की ओर फिसला। मलबे ने तिब्बत की ओर एक नदी को अवरुद्ध कर दिया। अवरुद्ध पानी फूट पड़ा और पास के ग्यिरोंग पोर्ट (चीन-नेपाल सीमा) को नष्ट कर दिया।

100 किमी का घातक सफर

मलबा और पानी ल्हेंदे खोला, भोटे कोशी और त्रिशूली नदियों के रास्ते लगभग 100 किलोमीटर तक दौड़ा। पहले 22 किलोमीटर में औसत गति लगभग 193 किमी प्रति घंटा रही। त्रिशूली नदी 30 मिनट में 9 मीटर बढ़ गई, इसे इनलैंड सुनामी जैसा बताया जा रहा है। रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जिलों में भारी नुकसान हुआ। टिमुरे और स्याप्रु बेसी समेत कई बस्तियां प्रभावित हुईं। क्षेत्र के 10 से अधिक जलविद्युत प्रोजेक्ट बंद हो गए, जो नेपाल की बिजली क्षमता का 12 प्रतिशत से अधिक हिस्सा थे। बाढ़ का पानी आगे नरयानी नदी के रास्ते भारत पहुंचा और बिहार के वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बैराज तक पहुंच गया। बिहार जल संसाधन विभाग के अनुसार बैराज पर डिस्चार्ज रात में 1.50 लाख क्यूसेक तक पहुंचा।

नेपाल में अबतक 108 भारतीयों का रेस्क्यू

नेपाल त्राशदी पर भारत के विदेश मंत्रालय के अपडेट किया। इसके मुताबिक नेपाल में अबतक 108 भारतीय रेस्क्यू किए गए हैं। 598 भारतीय चीन से नेपाल पहुंचे हैं। 900 भारतीय चीन से नेपाल लाए जाने की तैयारी है। 275 भारतीय लापता हैं। साथ ही भारतीय मूल के 128 लोग लापता हैं।

11 टन राहत सामाग्री लेकर भारत की चौथी उड़ान नेपाल रवाना

भारत की चौथी राहत उड़ान नेपाल के लिए रवाना हो गई है। भारतीय वायुसेना के ष्ट-130 विमान से 11 टन राहत सामग्री भेजी जा रही है। इसमें सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश और बचाव के लिए तकनीकी टीम और उपकरण, डीएनए जांच के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम और जरूरी राहत सामग्री शामिल है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट भेजे गए हैं। अब तक भारत 68.5 टन राहत सामग्री हवाई मार्ग से काठमांडू पहुंचा चुका है।

न्यूज बॉक्स

अमेरिका ने वेनेजुएला का 65 अरब बैरल तेल पर कंट्रोल

दैनिक सम्राट

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से ज्यादा तेल भंडार पर कंट्रोल हासिल करने के लिए एक समझौता किया है। यह आंकड़ा इसलिए भी बड़ा है, क्योंकि अमेरिका के पास खुद करीब 46 अरब बैरल तेल है।

भारत से तुलना करें तो देश हर साल करीब 1.6 से 1.7 अरब बैरल कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इस हिसाब से 65 अरब बैरल तेल भारत के 40 साल के ऑयल इम्पोर्ट के बराबर है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह काम वेनेजुएला में काम करने वाली एक निजी कंपनी के साथ मिलकर किया जाएगा।

राजस्व रिकॉर्ड में नाम बदलने से मालिकाना हक नहीं होता खत्म: सुप्रीम कोर्ट

दैनिक सम्राट संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि राजस्व रिकॉर्ड में किसी व्यक्ति का नाम दर्ज हो जाने मात्र से दूसरे व्यक्ति का मालिकाना हक खत्म नहीं होता। शीर्ष अदालत ने कहा कि राजस्व अभिलेख में नामांतरण मुख्य रूप से राजस्व संबंधी उद्देश्यों के लिए होता है और इससे अपने आप स्वामित्व पैदा या समाप्त नहीं होता।

कोर्ट ने यह भी कहा कि हाई कोर्ट दूसरी अपील पर सुनवाई करते हुए निचली अदालतों के समवर्ती तथ्यात्मक निष्कर्षों को महज इसलिए नहीं पलट सकता कि उसे साक्ष्यों की अलग व्याख्या अधिक उचित लगती है। ये फैसला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने मध्यप्रदेश के एक मामले में गत 20 अगस्त को दिया।

पीठ ने कहा कि यह स्थापित कानूनी सिद्धांत है कि राजस्व अभिलेख में की गई प्रविष्टि न तो स्वामित्व का सृजन करती है और न ही स्वामित्व को समाप्त करती है। ऐसी प्रविष्टि मूलतः राजस्व संबंधी उद्देश्यों के लिए होती है।

शिकागो में वित्तमंत्री सीतारमण: उद्यमियों से कहा कि भारत में यूपीआई, आधार, डिजिलॉकर

एआई से लेकर मैन्यूफैक्चरिंग तक में निवेश के लिए भारत सबसे माकूल: निर्मला सीतारमण

दैनिक सम्राट संवाददाता

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिकी निवेशकों से कहा है कि दुनिया के सभी प्रमुख देशों में अभी भारत में ही निवेश करने का सबसे माकूल समय है।

शनिवार को शिकागो में अमेरिकी कंपनियों व पूंजी निवेश करने वालों के साथ वार्ता में उन्होंने कहा कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मैन्यूफैक्चरिंग, रक्षा निर्माण, फूड प्रोसेसिंग से लेकर वित्त सेवा तक में भारत में निवेश करने पर उन्हें बड़े रिटर्न मिल सकते हैं।

कनाडा के बाद अमेरिका के निवेशकों एवं मैन्यूफैक्चर्स को अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में अभी मजबूत घरेलू मांग है, भारतीय अर्थव्यवस्था का निवेश आधारित विकास हो रहा है, वृहद स्तर पर हमारी अर्थव्यवस्था क्षमतावान है, योग्य व कुशल मानव श्रम की प्रचुरता है और तेजी से बढ़ता हुआ फिजिकल व डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है। पिछले चार दिनों तक वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जापान में थे जहां उन्होंने दर्जनों निवेशक व उद्यमियों को भारत में निवेश के लिए सैद्धांतिक स्तर पर तैयार कर लिया।

गुजरात स्थिति गिफ्ट सिटी में वित्तीय सेवा से जुड़ी 1250 कंपनियां पंजीकृत हो चुकी है और यह सिटी गेटवे ऑफ इंडिया के रूप में काम करने वाला है। वे भारत के गिफ्ट सिटी का फायदा उठा सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के मामले में भारत अब असेंबलिंग से बाहर निकल गहन तरीके से कंपोनेंट्स का मैन्यूफैक्चरिंग करने की दिशा में बढ़ रहा है। मैन्यूफैक्चरिंग के लिए सरकार प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव के साथ कई अन्य नीतिगत समर्थन भी दे रही है।

वित्त मंत्री ने अमेरिकी निवेशकों से कहा कि भारत में किसी एक सेक्टर में नहीं बल्कि दर्जनों सेक्टर में उन्हें निवेश का मौका है जहां से वे सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के उत्पादन कर सकते हैं, इनोवेट कर सकते हैं। भारत दुनिया की सप्लाई चेन निर्माण का सबसे अनुकूल प्लेटफॉर्म बन चुका है।

कनाडा के साथ पांच साल में व्यापार को 70 अरब डॉलर तक ले जाने पर सहमति

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- निवेश के लिए एक साथ इतना अनुकूल माहौल किसी और देश में नहीं है। इससे पहले वित्त मंत्री कनाडा दौरे पर थी जहां दोनों देशों ने अगले पांच साल में अपने व्यापार को दोगुना करते हुए 70 अरब डॉलर तक ले जाने पर सहमति जाहिर की है। सीतारमण ने शिकागो में उद्यमियों से कहा कि भारत में यूपीआई, आधार, डिजिलॉकर, ओएनडीसी जैसे कई डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसकी मदद से वे भारत में आकर एआई, एनालिटिक्स व इंजीनियरिंग से जुड़े प्रोडक्ट्स को आसानी से बना सकते हैं।

उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

महिलाओं ने पीएम को बांधी राखी, आज राष्ट्रपति के साथ होगी मीटिंग

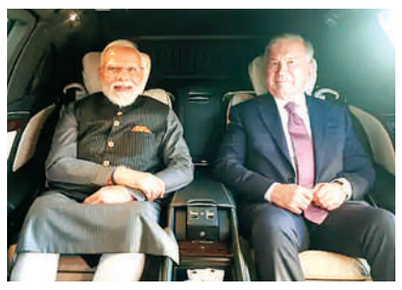

दैनिक सम्राट

ताशकंद। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने पीएम मोदी का ताशकंद एयरपोर्ट पर स्वागत किया। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने पीएम मोदी का ताशकंद एयरपोर्ट पर स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे। एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने यहां भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की। इस दौरान महिलाओं ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। चार साल बाद सेंट्रल एशिया के दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी उज्बेकिस्तान में दो दिन रहेंगे।

पीएम की द्विपक्षीय बातचीत, लाल बहादुर स्मारक भी जाएंगे

मोदी 29-30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में रहेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका चौथा उज्बेकिस्तान दौरा होगा। ताशकंद में मोदी और राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के बीच बैठक होगी। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। बैठक में भारत के विकसित भारत 2047 और उज्बेकिस्तान-2030 विजन के तहत सहयोग बढ़ाने के नए रास्तों पर भी बात होगी। मोदी ताशकंद में लाल बहादुर शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी सेंटर का भी दौरा कर सकते हैं।

जयपुर जिले में निकाय चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया में तेजी

737 नामांकन पत्र दाखिल, अब तक 785 नामांकन

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। जयपुर जिले में नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिले के 19 नगरीय निकायों के 690 वार्डों में पार्षद पद के लिए नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन तक कुल 785 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। इन नामांकन पत्रों के आधार पर अब तक 689 अभ्यर्थियों ने चुनाव मैदान में उतरने के लिए नामांकन प्रस्तुत किया है। वहीं 29 अगस्त को नामांकन के दूसरे दिन 737 नामांकन पत्र दाखिल किए गए और 650 अभ्यर्थियों ने नामांकन प्रस्तुत किया।

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों के लिए अब तक 99 नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं, जिनमें 92 अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं शाहपुरा नगर परिषद में 102 नामांकन पत्र एवं 91 अभ्यर्थियों, चौमूं नगर परिषद में 84 नामांकन पत्र एवं 83 अभ्यर्थियों तथा चाकसू नगरपालिका में 99 नामांकन पत्र एवं 63 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया है। अन्य नगरीय निकायों में भी नामांकन को लेकर अभ्यर्थियों में उत्साह देखा जा रहा है। बगरू में 72 नामांकन पत्र, बस्सी में 36, दूदू में 26, जमवारामगढ़ में 28, जोबनेर में 16, कालाडेरा में 7, कानोता में 6, खेजरोली में 11, फागी में 47, फुलेरा में 22, सांभर में 28 तथा वाटिका में 2 नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं।

31 अगस्त तक दाखिल किए जा सकेंगे नामांकन

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सदस्य पद के लिए नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 1 सितंबर को होगी। अभ्यर्थी 3 सितंबर को अपराह्न 3 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 4 सितंबर को चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा।

आरएसएस प्रमुख ने वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी कार्यक्रम को संबोधित किया

धर्म और पूजा-पद्धतियां अलग, पर इंसानियत एक ही: भागवत

दैनिक सम्राट

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन (एमएसजी) में आयोजित 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में मानवता की एकता पर जोर दिया। आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने कहा, अगर कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। हिंदू होने का मतलब यह मानना है कि सभी रास्ते एक ही लक्ष्य की ओर जाते हैं और हर इंसान की गरिमा एक समान है।

उन्होंने यह बात शनिवार को न्यूयॉर्क के 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि वे खुद कोई धार्मिक विद्वान नहीं हैं। जिस समाज में वे काम करते हैं, उसकी परंपरा मानती है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सभी रास्ते ईश्वर तक जाते हैं।

भारत के सदियों पुराने 'वसुधैव कुटुंबकम' के सोच का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म और पूजा-पद्धतियां अलग हो सकती हैं, लेकिन पूरी इंसानियत एक ही है। उनके संबोधन से पहले उनकी तस्वीरें टाइम्स स्क्वायर के मुख्य बिलबोर्ड पर दिखाई गईं।

सत्य एक है

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि सत्य एक है, लेकिन अलग-अलग लोग अपनी समझ और दृष्टिकोण के अनुसार उसे अलग-अलग तरीके से व्यक्त करते हैं।

संघ प्रमुख ने कहा कि वे स्वयं धार्मिक विद्वान या धार्मिक अथार्टी नहीं हैं, लेकिन जिस समाज में वे काम करते हैं, उसकी परंपरा यह मानती है कि धर्म अलग हो सकते हैं, जबकि मानवता एक ही है। भागवत ने कहा- सत्य एक है और मानवता उसी सत्य की उपज है, इसलिए इंसानियत भी एक है। संघ प्रमुख ने दुनिया में मौजूद विभिन्न धर्मों और उनकी धार्मिक परंपराओं का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में धर्मों को काफी हद तक उनके रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। उन्होंने माना कि धार्मिक अनुशासन और अनुष्ठान किसी व्यक्ति के लिए आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हो सकते हैं।

राजस्थान में 17 जिलों में सूखे जैसे हालात, प्रदेश में अब तक 21 फीसदी कम बारिश

राजस्थान में 4 सितंबर से फिर एक्टिव होगा मानसून

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में मानसून आने के बाद शुक्रवार को ऐसा पहला दिन था, जब राज्य में कहीं बारिश नहीं हुई। बारिश नहीं होने और धूप रहने से जयपुर, टोंक, अलवर समेत 15 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। वहीं, श्रीगंगानगर में पारा 40 डिग्री के करीब रहा। मानसून का ये ब्रेक सितंबर के पहले सप्ताह के आखिरी तक खत्म होने की उम्मीद है। इस साल मानसून के कमजोर रहने के कारण जयपुर सहित 17 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। इस साल सबसे कम बरसात पाली जिले में हुई है। वहीं, जालोर, बांसवाड़ा, जैसलमेर और उदयपुर भी अब कम बरसात वाले टॉप-5 जिलों में है।

जयपुर में अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने जयपुर में अगले तीन-चार दिन इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान जताया है।

तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव, गर्मी बढ़ी

जयपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर, अजमेर, जोधपुर संभाग के एरिया में दिनभर आसमान साफ रहा और धूप रही। कई जगह तापमान में 1 से 2 डिग्री तक का उतार-चढ़ाव रहा। दिन में सबसे ज्यादा गर्मी श्रीगंगानगर में रही

4 सितंबर से फिर एक्टिव होगा मानसून

मौसम विशेषज्ञों की माने तो सितंबर के पहले सप्ताह में बंगाल की खाड़ी में एक वेदर सिस्टम बनने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से राजस्थान 4-5 सितंबर से मानसून फिर से एक्टिव होने की उम्मीद है। वर्तमान में मानसून ट्रफ उत्तर से थोड़ी शिफ्ट होकर अब अमृतसर, देहरादून, लखीमपुर खीरी होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। ये ट्रफ आगामी दिनों में अपनी नॉर्मल पॉजीशन में आने की संभावना है।

भाजपा-कांग्रेस ने प्रत्याशियों को अब तक नहीं दिए चुनाव चिह्न, 26 ने और भरे नामांकन

टिकट का इंतजार ने बढ़ायी प्रत्याशियों की धड़कन

दो दिन में 28 नामांकन दाखिल, 152 संभावित प्रत्याशियों ने लिए नामांकन सेट; सोमवार को अंतिम मौका

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नगरीय निकाय के प्रथम चरण में कराए जा रहे नगर पालिका मंडल जमवारामगढ़ के पार्षद चुनाव में नामांकन प्रक्रिया के साथ ही टिकट को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के दूसरे कार्य दिवस शनिवार को विभिन्न वार्डों से भाजपा, कांग्रेस समर्थित दावेदारों के साथ निर्दलीय प्रत्याशियों ने 26 नामांकन पत्र दाखिल किए। इससे पहले 27 अगस्त को दो प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए थे। ऐसे में अब तक कुल 28 नामांकन दाखिल हो चुके हैं।

चुनाव चिह्न का इंतजार: निर्वाचन शाखा प्रभारी साधुराम ने बताया कि दाखिल किए गए नामांकन पत्रों के साथ अभी तक किसी भी प्रत्याशी को चुनाव चिह्न जारी नहीं किया गया है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त, सोमवार है। भाजपा और कांग्रेस के 35 वार्डों में अधिकृत प्रत्याशी घोषित होने का इंतजार बना हुआ है। टिकट पाने के लिए दावेदार अपने-अपने स्तर पर

अंतिम दौर की जोर आजमाइश में जुटे हैं।

152 नामांकन सेट हुए वितरित: निर्वाचन शाखा से अब तक 152 संभावित प्रत्याशियों ने नामांकन सेट प्राप्त किए हैं। पार्टी समर्थित दावेदारों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता निर्दलीय नामांकन भी दाखिल कर रहे हैं, ताकि पार्टी से अधिकृत चुनाव चिह्न नहीं मिलने की स्थिति में चुनाव मैदान में उतरने का विकल्प खुला रहे। शनिवार को उपखंड कार्यालय में नामांकन पत्र भरवाने वाले अधिवक्ताओं के पास दावेदारों और समर्थकों की भीड़ रही।

टिकट के लिए रविवार को आखिरी दौड़: भाजपा और कांग्रेस में टिकट पाने के लिए संघर्ष का दौर जारी है। सोमवार को नामांकन की अंतिम तिथि होने के कारण रविवार को दावेदारों की अंतिम दौर की दौड़-धूप रहेगी। प्रत्याशियों को सोमवार दोपहर तीन बजे से पहले पार्टी का अधिकृत चुनाव चिह्न जारी कराना होगा। ऐसे में दोनों दलों में टिकट वितरण को लेकर गतिविधियां और तेज होने की संभावना है।

टिकट के लिए काटी सलाद, किस्सा बना चर्चा का विषय: टिकट हासिल करने के लिए दावेदार अपने प्रभावशाली नेताओं को साधने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। चुनावी चर्चा के बीच एक रोचक किस्सा भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जाता है कि टिकट की चाह में एक कार्यकर्ता प्रभावशाली नेता के यहां पहुंचा तो वहां एक अन्य दावेदार मिर्ची, टमाटर, प्याज और खीरे की सलाद काटते नजर आया। यह नजारा देखकर कार्यकर्ता भी हैरान रह गया। अब यह किस्सा राजनीतिक गलियारों में इस बात के उदाहरण के तौर पर सुनाया जा रहा है कि टिकट हासिल करने के लिए दावेदार हर तरह के जतन कर रहे हैं।

जयपुर नगर निगम चुनाव में कुल 46 नामांकन हुए

दो वार्डों में कांग्रेस से 3-3 उम्मीदवार सामने आए; बीजेपी से 12 उम्मीदवारों ने नॉमिनेशन किया

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। जयपुर नगर निगम चुनावों के लिए कांग्रेस और बीजेपी ने टिकटों की घोषणा नहीं की है। लेकिन कांग्रेस से 34 और बीजेपी से 12 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं।

25 वार्डों से 34 उम्मीदवारों ने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर नामांकन भरे। वार्ड 11 और 47 से कांग्रेस से 3-3 उम्मीदवारों ने नामांकन भरे हैं। वार्ड 50, 99, 101, 140, 145 से दो-दो उम्मीदवारों ने कांग्रेस से नामांकन भरे हैं। 11 वार्डों से 12 उम्मीदवारों ने बीजेपी से नामांकन दाखिल किए हैं।

वार्ड 31 से बीजेपी में दो नेताओं ने नामांकन भरे हैं। बाकी में सिंगल उम्मीदवार ने ही बीजेपी से नामांकन भरे हैं। सूचना के मुताबिक दूसरे दिन यानी आज 69 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ने के लिए 137 नामांकन पत्र भरे है।

पहले दिन आए थे 13 नामांकन: इससे पहले 27 अगस्त यानी नामांकन के पहले दिन 11 प्रत्याशियों ने 13 नामांकन पत्र भरे थे। इसमें वार्ड संख्या 148, 99, 50, 12, 14,16, 25, 31 और 40 में प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने के लिए ताल ठोकी। इनमें दो प्रत्याशी ऐसे रहे, जिन्होंने 2-2 नामांकन पत्र (एक-एक इंडियन नेशनल कांग्रेस से और दूसरा निर्दलीय) भरा है। हालांकि कांग्रेस ने अब तक किसी को अधिकारिक तौर पर सिंबल (टिकट) जारी नहीं किया है।

आरजीएचएस में अब पर्ची पर संबंधित चिकित्सक का स्वयं सत्यापन अनिवार्य

अन्य व्यक्ति द्वारा चिकित्सक की ओर से हस्ताक्षर किए जाने पर होगी कार्रवाई

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के अंतर्गत जारी होने वाले चिकित्सकीय परामर्श एवं प्रिस्क्रिप्शन की विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आए है कि कुछ मामलों में लाभार्थियों की प्रिस्क्रिप्शन/पर्चियां जूनियर रेजिडेंट अथवा अन्य कार्मिकों द्वारा तैयार एवं हस्ताक्षरित की जा रही हैं तथा संबंधित आरजीएचएस से संबद्ध पंजीकृत चिकित्सक (आरएमपी) द्वारा उनका सत्यापन एवं प्रमाणीकरण नहीं किया जा रहा है।

राठौड़ ने बताया कि नए निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक आरजीएचएस प्रिस्क्रिप्शन को संबंधित एम्पैनल्ड

RGHS

चिकित्सक द्वारा व्यक्तिगत रूप से जांचना, सत्यापित करना तथा अपने हस्ताक्षर एवं मुहर से प्रमाणित करना अनिवार्य होगा।

आरजीएचएस की परियोजना अधिकारी डॉ. निधि पटेल ने बताया कि प्रिस्क्रिप्शन तैयार करने, क्लिनिकल विवरण दर्ज करने अथवा डेटा एंट्री में संस्थागत नियमों के अनुसार सहयोग लिया जा सकता है, लेकिन रोगी के क्लिनिकल निष्कर्ष, निदान, निर्धारित दवाइयों, जांचों तथा उपचार की अंतिम जिम्मेदारी संबंधित एम्पैनल्ड चिकित्सक की ही होगी।

उन्होंने बताया कि नए निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी अन्य व्यक्ति संबंधित चिकित्सक की ओर से प्रिस्क्रिप्शन पर हस्ताक्षर अथवा प्रमाणीकरण नहीं कर सकेगा।

डॉ. पटेल ने बताया कि संबंधित संबद्ध चिकित्सक द्वारा विधिवत सत्यापित एवं प्रमाणित नहीं किए गए प्रिस्क्रिप्शन को आरजीएचएस क्लेम की जांच एवं पुनर्भरण के दौरान नियमों के अनुरूप नहीं माना जा सकता है तथा संबंधित आरजीएचएस दिशा-निर्देशों एवं एम्पैनलमेंट की शर्तों के अनुसार उचित कार्रवाई की जा सकती है। आरजीएचएस से संबद्ध सभी अस्पतालों को इन निर्देशों की तत्काल एवं सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ अभियान में कल गूंजेगा हरियाली का संदेश

जमवारामगढ़ में वृहद वृक्षारोपण व पौधा वितरण, कई स्थानों पर होंगे कार्यक्रम, पौधों के संरक्षण का भी लिया जाएगा संकल्प

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और आमजन में पेड़-पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से श्री लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट, कानड़ियावाला के तत्वावधान में टीम सुमन मीणा जमवारामगढ़ की ओर से पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ अभियान-2026 के तहत रविवार को वृहद वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए जाएंगे तथा आमजन को पौधों का वितरण किया जाएगाअभियान की शुरुआत रविवार सुबह 9:30 बजे कानड़ियावाला कृषि फार्म से होगी। इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मोड़, सायपुर, खरड़, भावनी, दांतली, महंगी, कुशलपुरा, रायसर एवं देवतीला में वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम होंगे। आयोजकों की ओर से अधिकाधिक लोगों को अभियान से जोड़ने की तैयारी की गई है।

पौधे लगाने के साथ संरक्षण पर जोर: आयोजकों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन को भी जन-अभियान का रूप देना है। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा।

'पहला पेड़ अपने लिए, दूसरा अपनों के लिए': अभियान के माध्यम से आमजन को प्रेरित करते हुए संदेश दिया जा रहा है पहला पेड़ अपने लिए, दूसरा पेड़ अपनों के लिए लगाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है।

खेल मैदान में पसीना बहाकर विद्यार्थी बना सकते हैं बेहतर भविष्य

राजकीय पीजी महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता, विद्यार्थियों को दिलाई मतदाता जागरूकता की शपथ

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। राजकीय पीजी महाविद्यालय जमवारामगढ़ में मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश चंद्र मीणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा स्वस्थ रहने के लिए सक्रिय एवं फिट जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल मैदान में बिताना चाहिए। खेल

केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और भविष्य निर्माण का भी बेहतर माध्यम हैं। खेलों के क्षेत्र में भी विद्यार्थी अपना उन्नत भविष्य बना सकते हैं।

खेल प्रभारी प्रोफेसर संदीप मीणा के नेतृत्व में 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित हुई। छात्र वर्ग में बीएससी प्रथम सेमेस्टर के शौर्यप्रताप सिंह गुर्जर ने प्रथम तथा करण खजोतिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में बीए प्रथम सेमेस्टर की तमन्ना मीणा प्रथम और बीएससी तृतीय सेमेस्टर की संजना मीणा द्वितीय रहीं।

मतदान को लेकर किया जागरूक: कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। युवाओं को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, मतदाता पहचान पत्र तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों से स्वयं मतदान करने के साथ परिवार, मित्रों और आसपास के पात्र नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। इस दौरान शपथ, रैली, पोस्टर-बैनर प्रदर्शन, नारे लेखन एवं जागरूकता संवाद जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

जयपुर में ई-चालान के नाम 1.40 लाख का ऑनलाइन फ्रॉड, लिंक भेजकर बैंक डिटेल निकाली

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। जयपुर में ई-चालान के नाम पर 1.40 लाख रुपए का ऑनलाइन फ्रॉड का मामला सामने आया है। ई-चालान पेमेंट का लिंक भेजकर साइबर ठगों ने बैंक डिटेल का पता किया। इसके बाद मोबाइल हैक कर अकाउंट से रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने झोटवाड़ा थाने में साइबर ठगी का मामला दर्ज करवाया है।

ठगों ने पेमेंट के लिए मोबाइल पर भेजा लिंक: पुलिस ने बताया कि विजय नगर के रहने वाले दीपक कुमार ने आईटी एक्ट के तहत स्नढ्ढक्रदर्ज करवाई है। पीड़ित का कहना है कि पिछले दिनों उसके मोबाइल पर ई-चालान का मैसेज आया था। टैक्स्ट मैसेज के जरिए भेजे ई-चालान का पेमेंट करने के लिए लिंक भी भेजा गया। चालान और उसके पेमेंट को लेकर जानने के लिए लिंक पर क्लिक किया, जिसके बाद पेमेंट के लिए क्रेडिट कार्ड ऑपशन आया। कुछ ही देर में मोबाइल हैक हो गया।

साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड संबंधित बैंक डिटेल लेकर अकाउंट से करीब 1.40 लाख रुपए निकाल लिए। कुछ ही सेकेंड में अकाउंट से रुपए निकलने का मैसेज आया, तब ठगी का पता चला। इससे पहले भी साइबर क्रिमिनल्र्स शिप्रापथ इलाके में ई-चालान के नाम पर 4.67 लाख रुपए की ठगी कर चुके है।

फेक लिंक या एपीके फाइल से मोबाइल हैक करते ठग: राजस्थान में ई-चालान के नाम पर साइबर फ्रॉड लगातार बढ़ रहे है। फेक लिंक व एपीके फाइल से मोबाइल हैक कर साइबर क्रिमिनल्स बैंक डिटेल चुरा रहे है।

पड़ोसी ने नाबालिग से किया रेप, दो महीने तक बंधक बनाकर रखा

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। जयपुर में पड़ोसी के 16 साल की नाबालिग से रेप करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने नाबालिग को मिलने के बहाने बुलाकर धोखे से किडनैप कर लिया। और पिछले 2 महीने तक बंधक बनाकर रेप किया। मामले में पुलिस ने नाबालिग को ढूंढ निकालने के बाद मेडिकल व बयान दर्ज कर आरोपी पड़ोसी को अरेस्ट किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रविवार को कोर्ट में पेश करेगी।

पड़ोसी ने नाबालिग से किया रेप: थानाधिकारी ने बताया कि परिजनों की ओर से आरोपी पड़ोसी के खिलाफ शिकायत दी गई। रिपोर्ट के अनुसार जयपुर की रहने वाली एक नाबालिग से पड़ोसी युवक ने रेप किया। एक ही कॉलोनी में रहने के कारण आरोपी की नाबालिग से बोलचाल थी।

नगरीय निकाय चुनावः नगर परिषद् एवं नगर पालिका में प्राप्त हुए आवेदन

करौली में 168 प्रत्याशियों ने 241 नामांकन भरे

दैनिक सम्राट संवाददाता

करौली (ओमप्रकाश सुमन)। करौली नगर परिषद के 55 वार्डों में पार्षद पद के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया में तेजी आई है। शनिवार को 168 प्रत्याशियों ने 241 नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके साथ ही अब तक कुल 172 प्रत्याशियों द्वारा 246 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

नामांकन दाखिल करने के लिए शनिवार को रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में उम्मीदवारों की भीड़ उमड़ पड़ी। रिटर्निंग अधिकारी (एसडीएम) राकेश कुमार रावत ने पुष्टि की कि शनिवार को 168 अभ्यर्थियों ने 241 नामांकन पत्र जमा किए हैं।

नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए अभी एक दिन शेष है। गौरतलब है कि करौली नगरपरिषद के 55 वार्डों के लिए नामांकन दाखिले के पहले दिन, 27 अगस्त को केवल 4 प्रत्याशियों ने 5 नामांकन पत्र दाखिल किए थे।उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संबंधित आर ओ से प्राप्त सूचना के आधार पर नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत नामांकन प्रक्रिया में जिले की विभिन्न नगरीय निकायों में अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन आवेदन प्रस्तुत किए गए।

उन्होंने बताया कि नामंकन प्रकिया के तहत शनिवार को नगर परिषद करौली में वार्ड नंबर 1 में चार उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 2 में पांच उम्मीदवारों ने 7 नामांकन, वार्ड नंबर 4 में तीन उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 5 में दो उम्मीदवारों ने 2

नामांकन, वार्ड नंबर 7 में चार उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 8 में तीन उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 9 में सात उम्मीदवारों ने 10 नामांकन, वार्ड नंबर 10 में तीन उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 12 में छह उम्मीदवारों ने 10 नामांकन, वार्ड नंबर 13 में तीन उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 14 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 15 में तीन उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 16 में तीन उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 17 में दो उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 18 में तीन उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 19 में छह उम्मीदवारों ने 7 नामांकन, वार्ड नंबर 20 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 21 में पांच उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 22 में तीन उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 23 में आठ उम्मीदवारों ने 9 नामांकन, वार्ड नंबर 24 में चार उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 25 में एक उम्मीदवार ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 26 में दो उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 27 में तीन उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 28 में तीन उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 29 में एक उम्मीदवार ने 1 नामांकन, वार्ड नंबर 30 में तीन उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 31 में तीन उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 32 में एक उम्मीदवार ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 33 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन तथा वार्ड नंबर 34 में चार उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 36 में तीन उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 37 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 38 में दो उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 39 में दो उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 40 में चार उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 41 में दो उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 42 में तीन उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 43 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 44 में पांच उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 45 में तीन उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 46 में दो उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 47 में तीन उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 48 में तीन उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 49 में दो उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 50 में सात उम्मीदवारों ने 9 नामांकन, वार्ड नंबर 51 में एक उम्मीदवार ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 52 में तीन उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 53 में सात उम्मीदवारों ने 11 नामांकन, वार्ड नंबर 54 में चार उम्मीदवारों ने 6 नामांकन तथा वार्ड नंबर 55 में चार उम्मीदवारों ने 6 नामांकन दाखिल किए। इस प्रकार नगर परिषद करौली में कुल 168 उम्मीदवारों ने 241 नामांकन दाखिल किए।

वहीं नगरपालिका टोड़ाभीम में वार्ड नंबर 2 में एक उम्मीदवार ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 3 में दो उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 4 में चार उम्मीदवारों ने 5 नामांकन, वार्ड नंबर 8 में एक उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 9 में दो उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 11 में दो उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 12 में तीन उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 13 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 14 में एक उम्मीदवार ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 15 में तीन उम्मीदवारों ने 6 नामांकन, वार्ड नंबर 16 में एक उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 19 में एक उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 20 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 22 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 26 में एक उम्मीदवार ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 31 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, वार्ड नंबर 32 में दो उम्मीदवारों ने 3 नामांकन, वार्ड नंबर 33 में एक उम्मीदवार ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 34 में एक उम्मीदवारों ने 2 नामांकन, वार्ड नंबर 35 में दो उम्मीदवारों ने 4 नामांकन, इसके अतिरिक्त वार्ड नंबर 1, 6, 17, 21, 23, 24 में एक- एक आवेदन प्राप्त हुआ। सहित कुल 42 उम्मीदवारों ने 70 आवेदन किए।

हिण्डौन में नगर परिषद चुनाव के नामांकन में भीड़, दो दिन में कुल 211 नामांकन हुए दाखिल

दैनिक सम्राट संवाददाता

हिण्डौन सिटी (ओमप्रकाश सुमन)। हिण्डौन नगर परिषद चुनाव के लिए नामांकन भरने का दौर जारी है। शनिवार को हिंडौन उपखंड/तहसील कार्यालय में नामांकन पत्र खरीदने और जमा करने वाले प्रत्याशियों की भारी भीड़ देखी गई। अधिकांश चुनाव लड़ने के इच्छुक भावी प्रत्याशी आवेदन पत्र खरीदकर उनमें विभिन्न दस्तावेजों की पूर्ति करवाने के कार्य में जुटे नजर आए।उपखंड प्रशासन की ओर से उपखंड/तहसील कार्यालय में आवेदन पत्रों की जांच के लिए हेल्प डेस्क बनाई गई है। यहां अभ्यर्थी अपने नामांकन पत्रों की जांच करवा रहे हैं और कर्मचारी उनमें रह गई कमियों से उन्हें अवगत करा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कार्यालय परिसर में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। नामांकन दाखिल करने के दूसरे दिन शनिवार शाम तक कुल 144 उम्मीदवारों ने 211 नामांकन दाखिल किए गए। पहले दिन गुरुवार को 8 उम्मीदवारों ने 12 और दूसरे दिन शनिवार को 136 उम्मीदवारों ने 199 नामांकन भरे।

नगरीय निकाय चुनाव दो चरणों में हो रहे हैं। हिंडौन नगर परिषद का मतदान दूसरे चरण में 11 सितंबर 2026 को निर्धारित है, जबकि मतगणना 14 सितंबर को होगी। नामांकन प्रक्रिया 27 अगस्त से 31 अगस्त तक चल रही है। नामांकन पत्र हिंडौन तहसील कार्यालय में उपखंड मजिस्ट्रेट/रिटर्निंग अधिकारी और तहसीलदार के समक्ष जमा किए जा रहे हैं। नामांकन पत्रों की जांच के लिए तहसील परिसर में टेंट लगाकर काउंटर/हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। परिसर में पुलिस बल तैनात है और यातायात व्यवस्था भी नियंत्रित की गई है। नगर परिषद से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) लेने के लिए भी प्रत्याशियों की भारी भीड़ देखी गई। प्रत्याशियों के साथ उनके परिजन और समर्थकों की मौजूदगी से परिसर में भीड़ बनी रही।

चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। रिटर्निंग अधिकारी महेश चंद्र मान के अनुसार नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्ति व जांच सहित अन्य कार्यों के लिए तहसील परिसर में 6 हेल्प डेस्क बनाई गई हैं। हिंडौन नगर परिषद में कुल 60 वार्ड हैं। सभापति का पद अनारक्षित महिला वर्ग के लिए आरक्षित है।

नगर निगम चुनावों की आहटः युवाओं में दिखा जोश, साफ छवि और नए चेहरों की मांग

वार्ड 38 में टिकट को लेकर बढ़ी हलचल, युवाओं ने कहा जिताऊ और बेदाग उम्मीदवार को मिले मौका'

दैनिक सम्राट संवाददाता

भांकरोटा (हंसराज लाखीवाल)। नगर निगम जयपुर के चुनाव नजदीक आते ही वार्ड नंबर 38 में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। भांकरोटा-सिरसी रोड स्थित एक चाय की दुकान पर युवाओं की जुटी भीड़ में चुनावी चर्चाओं का दौर देखने को मिला। युवाओं ने वार्ड के विकास और आगामी चुनाव को लेकर अपनी राय खुलकर रखी।

चर्चा के दौरान युवाओं ने कहा कि पार्टी कोई भी हो, लेकिन टिकट ऐसे उम्मीदवार को दिया जाना चाहिए जिसकी छवि साफ-सुथरी और बेदाग हो तथा जो क्षेत्र के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का जज्बा रखता हो। युवाओं का कहना था कि इस बार राजनीतिक दलों को नए और युवा चेहरों को भी मौका देना चाहिए, ताकि वार्ड नंबर 38 में विकास को नई दिशा मिल सके।

चुनाव को लेकर अब वार्ड में विभिन्न राजनीतिक दलों से दावेदारी कर रहे संभावित उम्मीदवारों पर लोगों की नजर बनी हुई है। युवाओं का कहना है कि पार्टियों को केवल राजनीतिक समीकरणों के बजाय जमीनी पकड़, जनसेवा, साफ छवि और जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देते हुए प्रत्याशी मैदान में उतारना चाहिए।

बैठक में मौजूद युवाओं की चर्चा का मुख्य उद्देश्य किसी एक पार्टी का समर्थन करना नहीं, बल्कि वार्ड नंबर 38 का समग्र और स्वांगनिक (सर्वांगीण) विकास बताया गया। युवाओं ने उम्मीद जताई कि राजनीतिक दल जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए योग्य, कर्मठ और जिताऊ प्रत्याशी का चयन करेंगे।

शर्मा बने जयपुर द्वितीय के जिला संगठन मंत्री

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सौंपी संगठन विस्तार की जिम्मेदारी

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) ने संगठन को जिला स्तर पर अधिक सुदृढ़, सक्रिय एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जिलों में जिला संगठन मंत्रियों की नियुक्ति की है। प्रदेश संगठन मंत्री उमराव लाल वर्मा की ओर से जारी सूची के अनुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नयाबास, जमवारामगढ़ में कार्यरत शारीरिक शिक्षक जगदीश प्रसाद शर्मा को जयपुर द्वितीय का जिला संगठन मंत्री मनोनीत किया गया है। वहीं प्रीति पारीक को जयपुर द्वितीय की महिला संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शर्मा की नियुक्ति पर प्रदेश संभाग मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश टेलर, जिला संयुक्त मंत्री राखी सिसोदिया, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार सैनी, जिलामंत्री श्याम बहादुर शर्मा, रमेश चंद्र गुप्ता, वीरेन्द्र शर्मा, जयवीर सिंह, गोदाराम रैगर, जगदीश नारायण मीना, अमर चंद शर्मा, रामजी लाल मीना, प्रभु दयाल शर्मा सहित अनेक शिक्षकों, संगठन कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जताते हुए बधाई दी।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जयपुर संभाग प्रभारी अर्जुन सिंह जाट ने शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति से संगठन को जयपुर द्वितीय में और अधिक मजबूती मिलेगी। इधर, नवनियुक्त जिला संगठन मंत्री जगदीश प्रसाद शर्मा ने संगठन का आभार जताते हुए कहा कि वे शिक्षक हितों की रक्षा के साथ संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे। शर्मा वर्तमान में उपशाखा जमवारामगढ़ अध्यक्ष पद कार्यरत थे।

भाजपा कार्यालय में बवाल, टिकट बदलने पर किया विरोध

उदयपुर में बीजेपी से 5 और कांग्रेस से 18 नामांकन

भाजपा नेता और पूर्व डिप्टी मेयर महेंद्र सिंह शेखावत ने नामांकन दाखिल किया। पूरे उदयपुर जिले की बात करें तो नगर निगम और 5 नगरपालिकाओं में अब तक कुल 93 उम्मीदवारों ने 100 नामांकन दाखिल किए है।

दैनिक सम्राट संवाददाता

उदयपुर। उदयपुर नगर निगम में अब तक कुल 29 उम्मीदवारों ने 35 पर्चे भरे हैं। इनमें कांग्रेस से 18 और बीजेपी से 5 नामांकन भरे गए। हालांकि दोनों ही पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है।

बड़े नामों की बात करें तो भाजपा नेता और पूर्व डिप्टी मेयर महेंद्र सिंह शेखावत ने नामांकन दाखिल किया। पूरे उदयपुर जिले की बात करें तो नगर निगम और 5 नगरपालिकाओं में अब तक कुल 93 उम्मीदवारों ने 100 नामांकन दाखिल किए है।

इधर, बीजेपी ऑफिस के बाहर कार्यकर्ताओं ने वार्ड नंबर 3 से संभावित नाम पर आपत्ति जताई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वार्ड नंबर 3 के प्रत्याशी बाहरी है। पार्टी कार्यकर्ता पैराशूट प्रत्याशी को किसी भी कंडीशन में समर्थन नहीं देंगे। सूत्रों के अनुसार वार्ड नंबर 3 से बीजेपी संभावित उम्मीदवार गिरीश श्रीमाली के नाम पर यह विरोध किया गया।

5 निर्दलियों ने भरा पर्चा: वार्ड 46 से राधेश्याम मेनारिया, वार्ड 31 से माकपा से मुस्कान राही, वार्ड 32 से माकपा से राजेंद्र वसीटा, वार्ड 51 से निर्दलीय दीपक चौधरी और वार्ड 71 से मांगीलाल सुथार ने निर्दलीय पर्चा भरा।

नगर पालिकाओं में कहां कितने नामांकन हुए

भीण्डर नगर पालिका: 6 उम्मीदवारों ने 6 नामांकन पत्र जमा कराए।
वल्लभनगर नगरपालिका : 38 उम्मीदवारों ने 38 पर्चे दाखिल किए।
मावली नगर पालिका: 11 उम्मीदवारों ने 11 पर्चे भरे
फतहनगर सनवाड़ में 4 उम्मीदवारों ने 5 नाम निर्देशन पत्र जमा कराए।
कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर आज बड़ी संख्या में पुलिस के जवान लगा रखे है और बड़ी संख्या में अंदर किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। नामांकन दाखिल करने जो आए उनके साथ जो समर्थक आए उनको बाहर ही रोक दिया गया।
कोर्ट चौराहा और देहलीगेट से कलेक्ट्रेट की तरफ वाले रास्तों पर वन वे कर दिया गया है और कलेक्ट्रेट के गेट की तरफ आने वाले रास्तों को बैरिकेडिंग कर दिया गया है। यहां पर कई दावेदार नामांकन पत्र लेने आए है तो कुछ उम्मीदवार नामांकन भरने के लिए भी आए है।

भांकरोटा में नौ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा का आयोजन, 5 हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था

स्वर्गीय मदनलाल मीणा की 11वीं पुण्यतिथि पर 30 अगस्त से 7 सितंबर तक होगा आयोजन, जोधपुर से संत मुरलीधर महाराज करेंगे मानस कथा का वाचन

दैनिक सम्राट संवाददाता

भांकरोटा (हंसराज लाखीवाल)। भांकरोटा मुकंदपुरा रोड स्थित संगम मैरिज गार्डन में 30 अगस्त से 7 सितंबर तक नौ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कथा में जयपुर सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

आयोजकों के अनुसार जोधपुर से प्रसिद्ध संत एवं मानस कथा वाचक मुरलीधर महाराज जयपुर पहुंचकर नौ दिनों तक श्रीराम कथा का वाचन करेंगे। कथा में करीब 5

हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए विशाल पंडाल तैयार किया जा रहा है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

आयोजन के संबंध में माली देवी मीणा ने बताया कि उनके पति

स्वर्गीय मदनलाल मीणा की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर यह भव्य श्रीराम कथा आयोजित की जा रही है। उनका उद्देश्य श्रद्धालुओं को श्रीराम के आदर्शों और सनातन संस्कृति से जोड़ना है।

कथा आयोजन को सफल बनाने के लिए सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। प्रशासन के सहयोग से पंडाल, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। आयोजन में पुत्र राजू बांसनवाल सहित परिवारजन, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग सक्रिय रूप से व्यवस्थाओं में जुटे हैं।

आयोजकों ने बताया कि नौ दिवसीय श्रीराम कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। आयोजन को लेकर भांकरोटा एवं आसपास के क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल बना हुआ है।

बाहरी दखल से वार्ड संख्या दो में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी

ओबीसी मतदाताओं का प्रभाव, स्थानीय दावेदार की उपेक्षा से कांग्रेस में बढ़, सकती है बगावत की आशंका

दैनिक सम्राट संवाददाता

जमवारामगढ़ (अंकिता शर्मा)। नगर पालिका जमवारामगढ़ के महत्वपूर्ण वार्ड संख्या दो में टिकट को लेकर कांग्रेस के भीतर घमासान मचा हुआ है। सामान्य वर्ग महिला के लिए आरक्षित सीट वाले इस वार्ड में ओबीसी मतदाताओं का खासा प्रभाव होने के बावजूद टिकट को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं की पसंद और बाहरी दखल के बीच खींचतान सामने आ रही है। कांग्रेस के युवक कांग्रेस के तीन बार निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष रहे कार्यकर्ता की पत्नी यहां से प्रमुख दावेदार हैं। वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष के करीबी पूर्व सरपंच अपने समर्थक एसटी वर्ग के कार्यकर्ता को टिकट दिलाने के लिए जोर लगा रहे हैं।

स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि दूसरे वार्ड से जुड़े नेताओं की ओर से वार्ड संख्या दो

के टिकट में हस्तक्षेप किया जा रहा है। इससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। युवक कांग्रेस के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष की पत्नी को टिकट दिलाने के लिए कांग्रेस व युवक कांग्रेस के बड़े पदाधिकारी भी सक्रिय हैं। दूसरी ओर कांग्रेस जिलाध्यक्ष के करीबी पूर्व सरपंच अपने समर्थक के पक्ष में लामबंद हैं। ऐसे में टिकट को लेकर पार्टी के भीतर खींचतान बढ़ती जा रही है।स्थानीय दावेदार को टिकट नहीं मिलने की स्थिति में उनके समर्थकों की ओर से निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में उतारने की संभावना भी जताई जा रही है। इससे कांग्रेस के सामने भीतरघात की स्थिति पैदा हो सकती है। वार्ड में भाजपा की ओर से ओबीसी वर्ग के कार्यकर्ता की मां को टिकट मिलने की संभावना है, भाजपा यहां पूरी तरह कांग्रेस की आपसी सिर फुटव्वल का फायदा उठाने की कोशिश में है।

चार सौ से अधिक ओबीसी मतदाता निर्णायक: रामबगीची क्षेत्र में आने वाले इस वार्ड में 618 मतदाताओ में से ओबीसी वर्ग की विभिन्न जातियों के करीब चार सौ मतदाता बताए जा रहे हैं। ऐसे में ओबीसी मतदाताओं की भूमिका चुनाव में निर्णायक हो सकती है।

प्रसिद्ध मंदिरों का गढ़ है वार्ड: पहाड़ी की तलहटी में बसे इस वार्ड में रामबगीची संतो का आश्रम, आमखोल स्थित प्रसिद्ध अम्बकेश्वर महादेव मंदिर, करीब सात सौ वर्ष पुराना त्रिनेत्रधारी गणेश मंदिर और लाम्बा हनुमानजी मंदिर व दिगम्बर जैन प्रमुख धार्मिक स्थल हैं।

निर्दलीय बिगाड़ सकते गणित: वार्ड संख्या दो से चुनाव लडने के लिए आधा दर्जन उम्मीदवारों ने निर्दलीय नामांकन दाखिल करने के लिए नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए है। ऐसे में निर्दलीय इस वार्ड की गणित बिगाड़ सकते है।

श्री रणसी विकास मेला समिति द्वारा वार्षिक मेले को लेकर आम बैठक आज होगी आयोजित

दैनिक सम्राट संवाददाता

नरैना (हंसराज लाखीवाल)। आज दोपहर 1 बजे श्री रणसी जी महाराज समाधि स्थल नरैना बलाई महासभा संस्थान दूदू के सभी समाज बन्धुओं से अपील की गई है कि श्री राजर्षि रणसी जी महाराज का 796वां वार्षिक मेला 11 से 13 अक्टूबर 2026 तक का आयोजन किया जाएगा। इस की तैयारियां हेतु सभी के सुझाव की आवश्यकता है। इस हेतु आज मिंटिग का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में मेले की शोभायात्रा शाही लवाजमों के साथ निकाली जाती हैं, जिसमें हाथी, घोड़ा पालकी (बग्गी), घोड़े पर झण्डा लेकर अगुवाई के लिए बोली भी लगाई जाएगी। व मेले की सम्पूर्ण तैयारी (रंग रोशन, टेन्ट डेकोरेशन, जूलूस के लिए बैण्ड, कलश यात्रा, साफ सफाई आदि) कई प्रकार के कार्यों पर मीटिंग में चर्चा होगी।

दौसा- निकाय चुनावः दूसरे दिन 11 निकायों में अब तक कुल 702 नामांकन दाखिल हुए

दैनिक सम्राट संवाददाता

दौसा। दौसा में निकाय चुनाव को लेकर जिले के 11 निकायों से संबंधित रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों में नामांकन प्रक्रिया जारी है। शनिवार को दौसा उपखंड कार्यालय में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक दावेदारों ने रिटर्निंग अधिकारी संजू मीणा के सामने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए। जिले में शनिवार तक कुल 702 नामांकन पत्र दाखिल किए जा चुके हैं। इनमें कांग्रेस, भाजपा समेत निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन शामिल हैं।

सम्पादकीय

बाढ़ का असरः सड़कें टूटीं तो काठमांडू में महंगाई ने तोड़ी कमर

काठमांडू की सबसे बड़ी फल एवं सब्जी मंडी कालीमाटी में बाहर से आने वाली सब्जियों और फलों की आवक में भारी कमी इसका स्पष्ट प्रमाण है। बाढ़ ने प्रमुख राजमार्गों और संपर्क मार्गों को क्षतिग्रस्त किया तो खेतों में पैदा होने वाली सब्जियां अचानक उपभोक्ता तक पहुंचने की दौड़ में फंस गईं।

नेपाल में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा की दोहरी मार अब केवल सड़कों, पुलों और बस्तियों तक सीमित नहीं रही। इसका सबसे सीधा और दर्दनाक असर आम आदमी की रसोई और जेब पर दिखाई देने लगा है। राजधानी काठमांडू में पिछले दो दिनों में दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में जिस तरह अचानक उछाल आया है, वह महज बाजार की सामान्य हलचल नहीं है। यह उस आपूर्ति व्यवस्था की कमजोरी का संकेत है, जो एक प्राकृतिक आपदा के सामने कुछ ही घंटों में लड़खड़ा जाती है।

काठमांडू की सबसे बड़ी फल एवं सब्जी मंडी कालीमाटी में बाहर से आने वाली सब्जियों और फलों की आवक में भारी कमी इसका स्पष्ट प्रमाण है। बाढ़ ने प्रमुख राजमार्गों और संपर्क मार्गों को क्षतिग्रस्त किया तो खेतों में पैदा होने वाली सब्जियां अचानक उपभोक्ता तक पहुंचने की दौड़ में फंस गईं। उत्पादन होना पर्याप्त नहीं है, उसे बाजार तक पहुंचना भी जरूरी है। जब सड़क बंद होती है तो किसान की उपज खेत में और उपभोक्ता की जरूरत बाजार में अटक जाती है। इन दोनों के बीच का अंतर ही महंगाई का रूप ले लेता है।

नेपाल की राजधानी के लिए यह संकट इसलिए और गंभीर है क्योंकि काठमांडू की खाद्य आपूर्ति का बड़ा हिस्सा देश के बाहर से आता है और भारत इस आपूर्ति शृंखला का प्रमुख आधार है। भारत से बड़ी मात्रा में फल और सब्जियां नेपाल पहुंचती हैं। नारायणघाट मार्ग इस आवागमन की महत्वपूर्ण कड़ी है। बाढ़ से इस मार्ग के प्रभावित होने और बड़े मालवाहक वाहनों का परिचालन रुकने का सीधा अर्थ है कि बाजार में माल की उपलब्धता तेजी से घट गई।

व्यापारी सुधीर कुमार गुप्ता के अनुसार, पहले बड़ी मालवाहक गाड़ियों के जरिए एक बार में पर्याप्त मात्रा में सामान काठमांडू पहुंच

जाता था। लेकिन जब बड़े वाहनों की आवाजाही बाधित होती है तो वही माल छोटे वाहनों में कई हिस्सों में भेजना पड़ता है। इससे परिवहन लागत बढ़ती है, समय बढ़ता है और रास्ते में माल के खराब होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।

यही बाजार का वह कठोर गणित है, जिसे अक्सर महंगाई के आंकड़ों में पूरी तरह नहीं समझा जा सकता। एक ट्रक की जगह यदि कई छोटे वाहन लगें, लंबा रास्ता तय करना पड़े, ईंधन अधिक खर्च हो और रास्ते में घंटों या दिनों का अतिरिक्त समय लगे तो व्यापारी अपनी लागत बढ़ने के बाद उसी अनुपात में कीमत बढ़ाने के लिए मजबूर होता है। फल और सब्जियों जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। जो माल सामान्य परिस्थितियों में कुछ घंटों में बाजार पहुंच जाता है, वह यदि कई दिनों तक रास्ते में फंसा रहे तो उसका एक हिस्सा खराब भी हो सकता है। बचा हुआ माल फिर महंगा बिकता है।

प्राकृतिक आपदा के समय बाजार की सबसे बड़ी समस्या केवल माल की कमी नहीं होती, बल्कि अनिश्चितता होती है। व्यापारी को पता नहीं होता कि अगली खेप कब पहुंचेगी। किसान को पता नहीं कि उसकी उपज बिक पाएगी या रास्ते में खराब हो जाएगी। उपभोक्ता को पता नहीं कि कल कीमत क्या होगी। यही अनिश्चितता बाजार में जमाखोरी और कृत्रिम कमी की संभावना भी बढ़ाती है।

इसलिए नेपाल सरकार के सामने चुनौती केवल क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों की मरम्मत की नहीं है। उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि आपदा के बीच खाद्य आपूर्ति की शृंखला टूटने न पाए। राहत कार्य में भोजन और पानी पहुंचाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी शहरों के बाजारों में सामान्य आपूर्ति बनाए रखना भी है। क्योंकि यदि आपदा के बाद बाजार में महंगाई बेकाबू हो जाए तो आम परिवार पर संकट की दूसरी परत चढ़ जाती है। सब्जियों और फलों के बाद मसाले, ड्राई फ्रूट्स और चीनी जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि समस्या केवल एक-दो उत्पादों तक सीमित नहीं है। परिवहन तंत्र में व्यवधान जैसे-जैसे लंबा खिंचेगा, उसका असर अन्य आवश्यक वस्तुओं पर भी पड़ सकता है।

नई पीढ़ी तकनीक, विज्ञान, उद्यमिता में अग्रणी

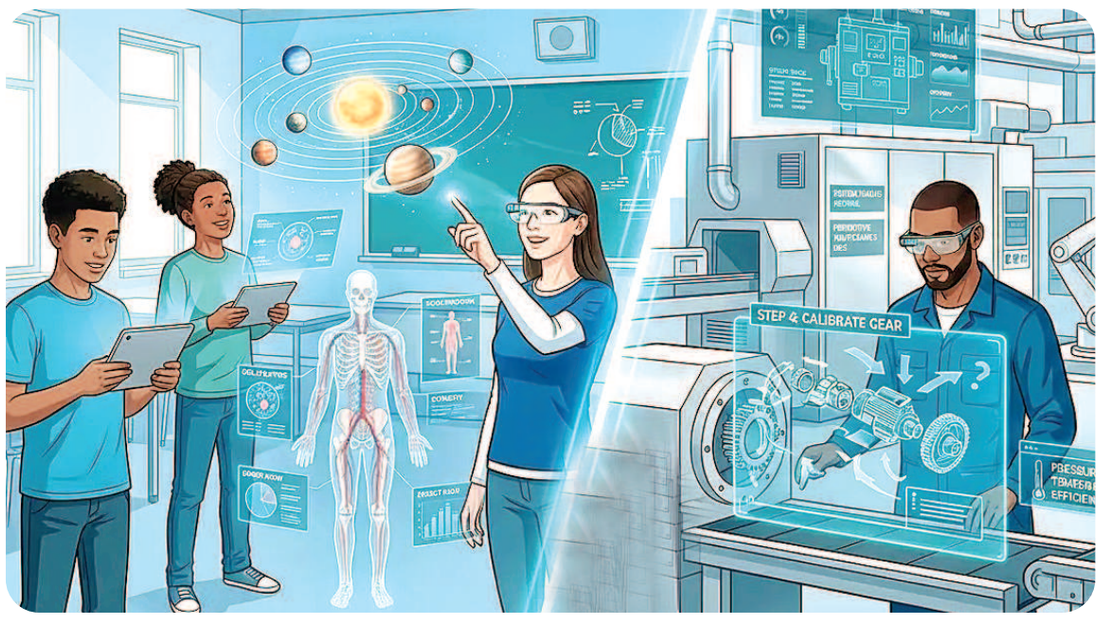

नई पीढ़ी पर आरोप है कि यह मोबाइल स्क्रीन में डूबी रहती है, लेकिन आरोप का एक सिरा हमारी ओर मुड़ता नजर आता है। क्या हमारे बच्चे हमें हाथ में कोई पुस्तक लिए देखते हैं? क्या खाने की टेबल पर स्मार्टफोन हमसे दूर रहता है? हमें एक कड़ा प्रश्न स्वयं से भी पूछना होगा- हमने मोबाइल फोन के बाहर की दुनिया को उनके लिए कितना सुंदर और आकर्षक बनाकर दिखाया है? इसलिए बच्चों से केवल शिकायत करना बहुत सरल है।

इस समय जेन-जी बहुत चर्चा में है। पिछले दिनों एक बैठक में इस नई पीढ़ी पर चर्चा चल निकली। किसी ने इनकी कार्यशैली के लिए मोबाइल को दोषी ठहराया तो किसी ने बदल रहे संस्कारों पर चिंता व्यक्त की। एक सज्जन ने बेहद सहजता से कहा, अरे, ये जेन-जी लोग, उनके ये शब्द मेरे मन में गहराई तक ठहर गए। ये जेन-जी लोग का 'ये' शब्द मुझे बेचैन करता रहा। ऐसा क्यों हुआ कि हमारे और हमारे बच्चों के बीच दूरी दर्शाने वाला 'ये' शब्द खड़ा हो गया?

जब देश के प्रधानमंत्री युवाओं को मेरे युवा मित्र कहकर संबोधित करते हैं, तो उसके पीछे गहरी दृष्टि छिपी होती है। वह दृष्टि युवा को खुद से सामने कुर्सी पर बैठाने की नहीं, बल्कि अपने पास बैठाने की होती है। वह युवा को संवाद का बराबर का साथी मानने का भाव है। जेन-जी को लेकर हमारी सबसे बड़ी उलझन वह पुराना और संकुचित चश्मा है जिसके जरिये हम उन्हें देखने की कोशिश कर रहे हैं। हर नई पीढ़ी अपने समय से कड़े सवाल करती रही है। वह हर बात पर पूछती है कि ऐसा क्यों है?

जब महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता को सर्वोच्च और एकमात्र ध्येय मान लिया था, तब वे भी युवा ही थे, लेकिन उनके भीतर वही ज्वाला धधक रही थी, जो आज के युवाओं में है- व्यवस्थाओं को जस का तस स्वीकार न करने की जिद। युवा जानना चाहते हैं कि जो नियम तय किए गए हैं, वे वैसे ही क्यों हैं? यही प्रश्न पुरानी पीढ़ी को चुभने वाले लगते हैं। कल जब हम युवा थे, तब हमारे द्वारा पूछे गए प्रश्न हमारे बुजुर्गों को बेचैन कर देते थे। इस अंतर को हम साधारण शब्दों में जेनरेशन गैप यानी पीढ़ियों का अंतर कहते हैं।

नई पीढ़ी पर आरोप है कि यह मोबाइल स्क्रीन में डूबी रहती है, लेकिन आरोप का एक सिरा हमारी ओर मुड़ता नजर आता है। क्या हमारे बच्चे हमें हाथ में कोई पुस्तक लिए देखते हैं? क्या खाने की टेबल पर स्मार्टफोन हमसे दूर रहता है? क्या हमने कभी उन्हें गांव की कच्ची पगडंडियों पर घुमाया है? क्या उन्हें दादी-नानी की स्मृतियों में छिपी पारिवारिक कथाएं सुनाई हैं? हमें एक कड़ा प्रश्न स्वयं से भी पूछना होगा- हमने मोबाइल फोन के बाहर की दुनिया को उनके लिए कितना सुंदर और आकर्षक बनाकर दिखाया है? इसलिए बच्चों से केवल शिकायत करना बहुत सरल है, लेकिन उनके सामने एक सही और प्रेरणादायक उदाहरण बनकर खड़ा होना बेहद कठिन कार्य है।

बेशक उनका तरीका हमसे अलग है, उनकी बात कहने की भाषा अलग है और उनकी जिज्ञासा का दायरा भी भिन्न है। वे इसके पीछे का तर्क मांगेंगे और पूछेंगे कि 'क्यों'। और हमें उस 'क्यों' शब्द से डरना नहीं चाहिए। हमें उन्हें परंपराओं के पीछे छिपा हुआ गहरा दर्शन समझाना होगा, धर्म के मूल मर्म से परिचित कराना होगा, और अपनी संस्कृति को केवल किताबी न रखकर कर्म में उतारकर दिखाना होगा।

जेन-जी को केवल रील्स बनाने-देखने तक सीमित कर देना अन्याय होगा। यही युवा पीढ़ी आज सीमाओं पर मुस्तैदी से खड़ी है। यही युवा आज शतरंज की बिसात पर पूरी दुनिया को बौद्धिक क्षमता से चकित कर रहे हैं। डी. गुकेश जैसे कम उम्र के युवा भारत की नई प्रतिभा का एक ऐसा गौरवशाली परिचय पूरी दुनिया के सामने लिख रहे हैं, जिस पर पूरे देश को गर्व है। तकनीक, विज्ञान, और उद्यमिता के क्षेत्र में ये युवा लगातार नए रास्ते खोल रहे हैं।

नई पीढ़ी केवल अपने बारे में नहीं सोचती, बल्कि अपने साथ-साथ दूसरे इंसानों के दर्द और तकलीफों को भी बखूबी पहचानना चाहती है। चाहे पर्यावरण संरक्षण की गंभीर चिंता हो, बेजुबान पशु-पक्षियों के अधिकारों की बात हो, युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे हों, समाज में समान अवसरों की मांग हो, या फिर किसी कमजोर और लाचार व्यक्ति के पक्ष में खड़े होने का सवाल हो- आज का युवा इन तमाम संवेदनशील विषयों पर बहुत अधिक सहजता और मुखरता के साथ अपनी बात रखता है।

हमें हर बार उन्हें यह पुरानी कहानी सुनाने की आवश्यकता नहीं है कि हमारे जमाने में तो हालात ऐसे हुआ करते थे। हमारा रिश्ता किसी उपदेश देने वाले और सुनने वाले का नहीं, बल्कि आपसी संवाद का होना चाहिए। इसलिए अगली बार जब किसी औपचारिक बैठक में कोई व्यक्ति मुस्कुराते हुए यह कहे कि अरे, ये जेन-जी लोग, तो शायद हमें भी कहना चाहिए- हां, वे जेन-जी हैं, लेकिन वे 'ये लोग' नहीं हैं। हमारे अपने ही जिगर के टुकड़े, हमारे बच्चे हैं। स्वाभाविक है कि उनकी हर बात हमेशा सही नहीं होगी, ठीक वैसे ही जैसे हमारी भी हर बात अपने समय में सही नहीं हुआ करती थी। वे अपने जीवन में तमाम गलतियां करेंगे, बिल्कुल वैसे जैसे गलतियां हमने भी की थीं।

हमें समझना होगा कि अब इस देश की अगली यात्रा इन्हीं मजबूत कंधों पर बढ़ेगी। उन्हें किसी कठघरे में खड़ा करने के बजाय उनके साथ पूरी ताकत से खड़े होइए। बच्चों से संवाद अधिक से अधिक बढ़ाइए। उन्हें ध्यान से सुनिए, उनकी भावनाओं को समझिए, और उन पर पूरा भरोसा रखिए। क्योंकि भविष्य को कभी भी अतीत के पुराने सांचे में ढाला नहीं जा सकता। हमेशा यह बात याद रखिए कि भारत की अगली कहानी किसी और को नहीं, बल्कि इन्हीं हाथों को मिलकर लिखनी है।

- सुनील बंसल

निकाय चुनावः अब भी अपना नेता जनता नहीं, पार्टियां चुनती हैं

डॉ. सुनील शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

स्थानीय निकायों में यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां चुना गया प्रतिनिधि सीधे नागरिकों के बीच रहता है। विधानसभा या लोकसभा के प्रतिनिधि का क्षेत्र बड़ा होता है, लेकिन पार्षद का क्षेत्र अपेक्षाकृत छोटा होता है। मतदाता उसे रोजमर्रा की जिंदगी में देख सकता है। उसके घर तक पहुंच सकता है।

भारत को आजाद हुए 79 वर्ष हो चुके हैं। लोकतंत्र ने इन दशकों में लंबा सफर तय किया है। देश ने सत्ता के कई बदलाव देखे, राजनीतिक दलों का विस्तार देखा, नए नेतृत्व को उभरते देखा और चुनावों को लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी के रूप में स्वीकार किया। लेकिन स्थानीय निकायों के चुनावों पर नजर डालें तो एक गंभीर सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है–क्या जनता वास्तव में अपना स्थानीय नेता चुनती है या राजनीतिक दलों द्वारा तय किए गए उम्मीदवारों में से किसी एक पर मुहर लगाती है?

राजस्थान में होने वाले निकाय चुनाव इस सवाल को और अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। नगरपालिकाओं, नगर परिषदों और नगर निगमों के चुनावों में मतदाता अपने वार्ड के लिए मतदान करता है, लेकिन उसकी पसंद का दायरा अक्सर राजनीतिक दलों द्वारा पहले ही सीमित कर दिया जाता है। पार्टी जिस व्यक्ति को टिकट देती है, उसके सामने पार्टी का चुनाव चिह्न होता है और चुनावी मुकाबले का बड़ा हिस्सा उसी चिह्न के इर्द-गिर्द सिमट जाता है। मतदाता उम्मीदवार की व्यक्तिगत क्षमता, ईमानदारी, स्थानीय समस्याओं की समझ और उपलब्धता के बजाय कई बार पार्टी की पहचान को देखकर मतदान करता है।

यह स्थिति लोकतंत्र के उस मूल विचार से कुछ अलग दिखाई देती है, जिसमें जनता अपने प्रतिनिधि को चुनती है। स्थानीय निकायों का चुनाव तो विशेष रूप से ऐसा होना चाहिए जहां व्यक्ति की पहचान और उसके काम का महत्व पार्टी से अधिक हो। क्योंकि नगर की सड़क, नाली, सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, पार्क, अतिक्रमण, सीवरेज और स्थानीय विकास जैसे मुद्दों का सीधा संबंध वार्ड के लोगों से होता है। इन समस्याओं को समझने वाला व्यक्ति जरूरी नहीं कि किसी राजनीतिक दल का सक्रिय कार्यकर्ता ही हो।

विडंबना यह है कि स्थानीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तर धीरे-धीरे पार्टी आधारित चुनावी राजनीति का विस्तार बनता जा रहा है। सामान्य मतदाता के सामने जब पार्टी का प्रत्याशी खड़ा होता है तो वह कई बार व्यक्ति को नहीं, पार्टी को वोट देता है। उसे यह भी पता हो सकता है कि उम्मीदवार उसके वार्ड के लिए कितना सक्षम है, फिर भी पार्टी की विचारधारा, सत्ता में उसकी स्थिति या स्थानीय राजनीतिक समीकरण उसके निर्णय पर भारी पड़ जाते हैं।

यही कारण है कि स्थानीय निकायों में ऐसे जनप्रतिनिधियों की संख्या सीमित दिखाई देती है जो केवल अपनी व्यक्तिगत लोकप्रियता और जनता के भरोसे पर चुनाव जीतकर आते हैं। निर्दलीय प्रत्याशी के लिए चुनाव लड़ना आसान नहीं है। उसके पास पार्टी का संगठन नहीं होता, कार्यकर्ताओं का तैयार नेटवर्क नहीं होता, चुनाव चिह्न की पहचान नहीं होती और बड़े राजनीतिक दलों के समान संसाधन भी नहीं होते। इसके बावजूद जो निर्दलीय उम्मीदवार जीतता है, उसकी जीत में जनता की व्यक्तिगत पसंद का तत्व अपेक्षाकृत अधिक मजबूत होता है।

यह कहना गलत होगा कि हर निर्दलीय उम्मीदवार जनता का सच्चा प्रतिनिधि होता है और हर पार्टी प्रत्याशी जनता से दूर होता है। राजनीतिक दल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे नीतियां बनाते हैं, संगठन खड़ा करते हैं और राजनीतिक नेतृत्व तैयार करते हैं। समस्या पार्टी की मौजूदगी में नहीं, बल्कि उस स्थिति में है जब पार्टी की पहचान उम्मीदवार की व्यक्तिगत योग्यता पर पूरी तरह हावी हो जाए।

स्थानीय निकायों में यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां चुना गया प्रतिनिधि सीधे नागरिकों के बीच रहता है। विधानसभा या लोकसभा के प्रतिनिधि का क्षेत्र बड़ा होता है, लेकिन पार्षद का क्षेत्र अपेक्षाकृत छोटा होता है। मतदाता उसे रोजमर्रा की जिंदगी में देख सकता है। उसके घर तक पहुंच सकता है। अपनी समस्या बता सकता है और उसके काम का मूल्यांकन कर सकता है। इसलिए वार्ड स्तर पर चुनाव व्यक्ति आधारित और स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित होना लोकतंत्र की सेहत के लिए अधिक उपयोगी हो सकता है।

लेकिन व्यवहार में तस्वीर अलग है। चुनाव आते ही राजनीतिक दल टिकट वितरण को लेकर सक्रिय हो जाते हैं। उम्मीदवारों की जीत की संभावना, जातीय समीकरण, संगठन के प्रति निष्ठा, राजनीतिक प्रभाव और अन्य चुनावी गणित महत्वपूर्ण हो जाते हैं। कई बार यह भी देखा जाता है कि किसी व्यक्ति की स्थानीय लोकप्रियता से ज्यादा महत्व इस बात को दिया जाता है कि वह संगठन के लिए कितना उपयोगी है। परिणाम यह होता है कि टिकट पाने की दौड़ चुनाव से पहले ही वास्तविक लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा का एक बड़ा हिस्सा बन जाती है।

जनता के सामने फिर दो या तीन प्रमुख विकल्प रह जाते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी का झंडा, पोस्टर, नारों और नेताओं की छवि उम्मीदवार की पहचान से बड़ी हो जाती है। मतदाता यह सोचकर वोट कर सकता है कि राज्य या देश में उसकी पसंद की पार्टी की सरकार है, इसलिए स्थानीय स्तर पर भी उसी पार्टी का प्रतिनिधि होना चाहिए। यह सोच पूरी तरह अस्वाभाविक नहीं है, लेकिन इससे स्थानीय चुनाव का मूल उद्देश्य कमजोर जरूर होता है।

स्थानीय निकायों का चुनाव विधानसभा और लोकसभा चुनाव से अलग प्रकृति का होना चाहिए। यहां राष्ट्रीय मुद्दों और बड़े राजनीतिक विमर्श के बजाय स्थानीय प्रशासन की गुणवत्ता प्रमुख होनी चाहिए। जिस व्यक्ति को वार्ड की गलियों की स्थिति पता है, जो नगर पालिका के अधिकारियों के साथ लगातार संवाद कर सकता है, जो नागरिकों की शिकायत सुन सकता है और जो पांच वर्ष तक उपलब्ध रह सकता है–ऐसे व्यक्ति को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

दुर्भाग्य से हमारा राजनीतिक संस्कार भी इस बदलाव में बाधा बनता है। समाज के एक बड़े हिस्से ने राजनीति को विचार और जनसेवा से ज्यादा दलगत निष्ठा के रूप में देखना शुरू कर दिया है। राजनीतिक दलों के सक्रिय कार्यकर्ता लोकतंत्र के लिए जरूरी हैं, लेकिन जब आम नागरिक भी केवल पार्टी के समर्थक के रूप में अपनी राजनीतिक भूमिका तय कर लेता है तो स्वतंत्र मतदाता की भूमिका कमजोर होती है।

लोकतंत्र में नागरिक का सबसे बड़ा अधिकार यह है कि वह किसी भी दल का समर्थक होते हुए भी उम्मीदवार का स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके। उसे यह अधिकार और मानसिक स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह अपनी पसंद की पार्टी के उम्मीदवार के बजाय किसी अन्य दल या निर्दलीय उम्मीदवार को वोट दे सके। यही स्वतंत्र मतदान लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है। आज सोशल मीडिया और चुनावी प्रचार ने पार्टी आधारित राजनीति को और मजबूत किया है। उम्मीदवार की व्यक्तिगत कार्यशैली और स्थानीय छवि के बजाय बड़े नेताओं के भाषण, पार्टी के मुद्दे और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चुनावी चर्चा पर हावी हो जाते हैं। वार्ड की नाली और सड़क की समस्या पीछे छूट जाती है और राष्ट्रीय या राज्य स्तर के राजनीतिक विवाद आगे आ जाते हैं।

राशिफल

क्या कहता है आपका भविष्यफल

मेष राशिः पैसों की स्थिति आज संभली रहेगी। बिना सोचे-समझे पैसे उड़ाने से बचें। ग्रहों की चाल बजट देखने, रुके हुए भुगतान और लंबे समय के पैसों के वादों की जांच करने में मदद करेगी। पुराने प्रयासों या संपर्कों से लाभ हो सकता है। बिना शर्तों के किसी को पैसे न दें। काम-काज में समझदारी से फैसले लेने होंगे। मन में कई विचार आएंगे, लेकिन उन्हें एक-एक करके पूरा करना सही रहेगा। मिथुन राशि के मंगलदेव नेटवर्क बढ़ाने में मदद करेंगे।

वृष राशिः पैसों की व्यवस्था को सुधारने के लिए दिन अच्छा है। आप बचत और परिवार की जरूरतों पर गंभीरता से विचार करेंगे। कर्क राशि के गुरु बृहस्पतिदेव सही योजना बनाने में मदद करेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति की दूसरों से तुलना न करें, अपनी बढ़त पर ध्यान दें। दफ्तर में जिम्मेदारी बढ़ सकती है और बड़े अधिकारियों का भरोसा आप पर बढ़ेगा। प्रशासन, पढ़ाई या तकनीक से जुड़े काम तेजी से आगे बढ़ेंगे।

मिथुन राशिः आपकी राशि में मंगलदेव होने से कमाई बढ़ाने की ऊर्जा रहेगी। जल्दबाजी में फैसले लेने से बचें। सिर्फ उत्साह में आकर जोखिम न उठाएं। आज नए मौकों के बारे में जानकारी जुटाना और पैसों की योजना सुधारना ज्यादा फायदेमंद रहेगा। दफ्तर में आज आप काफी सक्रिय रहेंगे। आपकी राशि के मंगलदेव बोलने की हिम्मत देंगे और सिंह राशि के बुधदेव अपनी बात अच्छे से रखने में मदद करेंगे। बैठकों, बातचीत और बिक्री के काम में लाभ होगा। बिना पूरी बात जाने बोलने से बचें।

कर्क राशिः आपकी राशि में गुरु बृहस्पतिदेव होने से आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। धन की सुरक्षा को लेकर मन में भरोसा बढ़ेगा। बचत और लंबे समय के निवेश के लिए दिन बढ़िया है। मन ठीक करने के लिए फालतू खरीदारी करने से बचें। आत्मविश्वास धीरे-धीरे बढ़ेगा। पुराने किए गए कामों के लिए सराहना मिल सकती है और लोग आपकी बात ध्यान से सुनेंगे।

सिंह राशिः आपकी राशि में सूर्यदेव और बुधदेव होने से आर्थिक फैसलों में भरोसा रहेगा। आप अपनी पढ़ाई या काम को बेहतर बनाने पर खर्च कर सकते हैं। सही योजना से किया खर्च फायदा देगा। अपनी छवि बनाए रखने के लिए फालतू पैसे न बहाएं। दफ्तर में सबका ध्यान आपकी तरफ रहेगा। बातचीत करने और सही संचालन करने की कला काम आएगी। दूसरों की सलाह सुनें और उन्हें भी बोलने का मौका दें।

कन्या राशिः आपकी राशि में कमजोर शुक्रदेव होने से हर छोटी बात पर ध्यान जाएगा। बहुत ज्यादा चिंता करने से सही फैसले लेने में रुकावट आ सकती है। अपने खर्चों की जांच करें और फालतू की चीजें हटाएं। बड़ी खरीदारी करने से अभी बचें। हर काम को एकदम सही करने के चक्कर में दफ्तर का काम भारी लग सकता है। हर छोटी गलती ढूंढने के बजाय जरूरी काम समय पर पूरा करने पर ध्यान दें।

तुला राशिः सही व्यवस्था से पैसों के मामले सुधरेंगे। पुराने पेंडिंग बिल और बार-बार होने वाले खर्चों की जांच करें। दोस्तों को खुश करने के लिए पैसे खर्च न करें। आपका यह संतुलित तरीका पैसों की सुरक्षा करेगा। दफ्तर में अलग-अलग विचारों को संभालना होगा। आपकी बातचीत की कला इसमें मदद करेगी। मिथुन राशि के मंगलदेव नए लोगों से जुड़ने में मदद करेंगे।

वृश्चिक राशिः भविष्य की सुरक्षा का अहसास जरूरी लगेगा। तुरंत फायदे के चक्कर में पड़ने के बजाय लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान दें। साझा पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी कागज पर दस्तखत करने से पहले उसे अच्छे से पढ़ लें। काम-काज में धीरज रखना होगा। आप पर्दे के पीछे रहकर किसी जरूरी काम पर मेहनत कर सकते हैं। तुरंत तारीफ न मिले तो यह न सोचें कि मेहनत बेकार गई।

धनु राशिः आर्थिक स्थिति सामान्य और मजबूत रहेगी। फालतू खर्चों पर काबू रख पाएंगे। घूमने-फिरने या मनोरंजन पर खर्च करने का मन हो सकता है। आनंद लें, पर सीमा ध्यान रखें। लंबे समय की बचत को प्राथमिकता दें। टीम के साथ मिलकर काम करने से लाभ होगा। मिथुन राशि के मंगलदेव से कई बातचीत और समझौते हो सकते हैं।

मकर राशिः पैसों के मामले में नियम से चलना होगा। पुराने टैक्स, कर्ज या रुके हुए लेन-देन को देखना पड़ सकता है। मीन राशि में शनिदेव की उल्टी चाल पुरानी जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद करेगी, जिससे आपकी स्थिति मजबूत होगी। काम का बोझ ज्यादा रह सकता है, लेकिन सही व्यवस्था से आप सब संभाल लेंगे। सारा काम खुद करने के बजाय साथियों में बांटें।

कुंभ राशिः आपकी राशि में राहु होने से कमाई बढ़ाने की इच्छा तेज रहेगी। पूरी जांच-पड़ताल करके ही कदम बढ़ाएं। तुरंत ज्यादा फायदे का लालच देने वाली योजनाओं से दूर रहें। जल्दबाजी में कहीं भी पैसा न लगाएं। रोज के ढर्रे से हटकर कुछ नया करने का मन करेगा। व्यावहारिक योजना बनाकर काम करेंगे तो फायदा होगा।

मीन राशिः चंद्रदेव और उल्टी चाल चल रहे शनिदेव होने से आप पैसों को लेकर गंभीर रहेंगे। भविष्य और बचत पर ध्यान जाएगा। डर में आकर कोई फैसला न लें। शांत मन से अपने बजट को देखें और एक समय में एक कदम उठाएं। दफ्तर में दूसरों की बातों को दिल से लगाने से बचें। आपकी राशि में शनिदेव की उल्टी चाल पुराने रुके काम निपटाने का मौका दे रही है।

दूसरे दिन 116 पर्चे दाखिल, पहले दिन 8; कई वार्डों में बहुकोणीय मुकाबला, एक ही नाम से भाजपा-निर्दलीय दावेदारी ने बढ़ाया सस्पेंस

भीनमाल में 124 नामांकन के साथ चुनावी रण में घमासान, निर्दलीयों ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की चिंता

दैनिक सम्राट संवाददाता

भीनमाल (विक्रम राठी)। नगरपालिका आम चुनाव 2026 को लेकर शहर की सियासत अब पूरी तरह चुनावी रंग में रंग गई है। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन शनिवार को भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशियों की ओर से 116 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इससे पहले गुरुवार को 8 नामांकन जमा हुए थे। इस तरह अब तक कुल 124 नामांकन पत्र दाखिल हो चुके हैं। नामांकन के आंकड़ों ने साफ कर दिया है कि इस बार भीनमाल के चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी मुकाबले का बड़ा फैक्टर बनने जा रहे हैं।

नामांकन के बाद सामने आई वार्डवार तस्वीर में कहीं सीधा मुकाबला नजर आ रहा है तो कहीं प्रत्याशियों की संख्या बढ़ने से चुनाव त्रिकोणीय और बहुकोणीय होता दिखाई दे रहा है। खास बात यह है कि कई वार्डों में एक ही नाम भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सामने आया है। इससे पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने अपने ही खेमे के असंतुष्ट दावेदारों को साधने की चुनौती खड़ी हो सकती है।

वार्ड 10 में सबसे ज्यादा सियासी हलचल

वार्ड 10 इस बार सबसे ज्यादा चर्चा में है। यहां सुखराज भाजपा और निर्दलीय, सुरेश कांग्रेस, घनश्याम सिंह निर्दलीय, जगदीश भाजपा और निर्दलीय, भंवर लाल भाजपा और निर्दलीय तथा मुकेश कुमार भाजपा और निर्दलीय के रूप में दर्ज हैं। सरदारा राम भी निर्दलीय प्रत्याशी हैं। एक ही नाम के भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशियों के मैदान में होने से यहां मुकाबले के समीकरणों पर खास नजर रहेगी।

वार्ड 11 में दीपक कुमार भाजपा से, वार्ड 12 में जोखम देवी भाजपा व निर्दलीय तथा राधा भाजपा से मैदान में हैं। वार्ड 13 में माणकमल भंडारी भाजपा और अक्षिता भंडारी निर्दलीय हैं। वार्ड 15 में दिनेश कुमार कांग्रेस से प्रत्याशी हैं।

कई वार्डों में निर्दलीयों की मजबूत मौजूदगी

वार्ड 1 में भाजपा से माधा राम, कांग्रेस से दिनेश कुमार तथा मायाराम और भागाराम राणा निर्दलीय मैदान में हैं। वार्ड 2 में कुशड़ी देवी और जैदेवी भाजपा से हैं। वार्ड 3 में मगाराम भाजपा तथा मनाराम निर्दलीय हैं। वार्ड 4 में कांग्रेस के पारसराम के सामने जबराराम, किशोर, बचना राम और कैलाश कुमार निर्दलीय हैं। वार्ड 5 में दिनेश कुमार कांग्रेस से तथा तेज राम और तेजाराम निर्दलीय हैं। वार्ड 6 में अनिता देवी और हंसा देवी निर्दलीय तथा हंसा देवी भाजपा के रूप में दर्ज हैं। वार्ड 7 में जितेन्द्र सिंह भाजपा और निर्दलीय दोनों रूप में सामने आए हैं। वार्ड 8 में सेवनी भाजपा से हैं, जबकि वार्ड 9 में जबराराम और किशोर निर्दलीय प्रत्याशी हैं।

124 पर्चों ने बढ़ाई चुनावी गर्मी

दो दिनों में 124 नामांकन पत्र दाखिल होना शहर में चुनावी सक्रियता का संकेत है। हालांकि नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी के बाद ही अंतिम प्रत्याशियों की तस्वीर साफ होगी, लेकिन मौजूदा स्थिति ने भाजपा और कांग्रेस दोनों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर उन वार्डों में जहां निर्दलीयों की संख्या अधिक है या पार्टी प्रत्याशी के समान नाम वाला निर्दलीय मैदान में है, वहां वोटों के बंटवारे का असर चुनाव परिणाम पर पड़ सकता है। ऐसे में इस चुनाव में प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़, सामाजिक समीकरण, स्थानीय मुद्दे और मतदाताओं से सीधा संपर्क अहम भूमिका निभा सकते हैं।

वार्ड 19 से 27 तक भी मुकाबला रोचक

वार्ड 17 में सुधा माथुर भाजपा और निर्दलीय दोनों रूप में दर्ज हैं। वार्ड 18 में तेजराज भाजपा तथा सुशीला निर्दलीय हैं। वार्ड 19 में बसंती देवी कांग्रेस व निर्दलीय, पवनी देवी भाजपा व निर्दलीय, मीरा देवी भाजपा व निर्दलीय तथा कांता देवी भाजपा व निर्दलीय के रूप में सामने आई हैं। वार्ड 20 में मुकेश कुमार भाजपा तथा सुरेश कुमार और माधव लाल ठाकुर निर्दलीय हैं। वार्ड 21 में ठाकरनाथ और रेखाराम कांग्रेस व निर्दलीय दोनों रूप में दर्ज हैं, जबकि महावीर परमार निर्दलीय हैं। वार्ड 23 में अर्जुन कुमार, मनोज कुमार और भरत कुमार निर्दलीय हैं। भरत कुमार कांग्रेस तथा कैरा राम भाजपा व निर्दलीय के रूप में भी दर्ज हैं। वार्ड 24 में गजा राम निर्दलीय हैं। वार्ड 25 में रफीक मोहम्मद कांग्रेस व निर्दलीय तथा महेशा राम निर्दलीय हैं। वार्ड 26 में शबाना कांग्रेस व निर्दलीय, जबकि लक्ष्मी, मनीषा और कविता निर्दलीय प्रत्याशी हैं। वार्ड 27 में नगाराम और मूल सिंह निर्दलीय हैं तथा मूल सिंह भाजपा के रूप में भी दर्ज हैं।

अब नाम वापसी पर टिकी नजर

नामांकन के दूसरे दिन बड़ी संख्या में पर्चे दाखिल होने के बाद अब राजनीतिक दलों की नजर नामांकन जांच और नाम वापसी पर है। कौन प्रत्याशी मैदान में कायम रहता है और कौन अपना नाम वापस लेता है, इसके बाद ही 40 वार्डों में वास्तविक मुकाबले की तस्वीर सामने आएगी। फिलहाल इतना जरूर साफ है कि भीनमाल नगरपालिका चुनाव इस बार सिर्फ भाजपा बनाम कांग्रेस की लड़ाई नहीं रहने वाला। निर्दलीयों की मजबूत मौजूदगी ने चुनावी गणित को उलझा दिया है और कई वार्डों में जीत का रास्ता प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़ और स्थानीय समीकरण तय कर सकते हैं।

वार्ड 30 से 40 तक भी त्रिकोणीय संघर्ष के आसार

वार्ड 30 में कलिया बानू कांग्रेस व निर्दलीय के रूप में दर्ज हैं। वार्ड 31 में लतीफ खान कांग्रेस तथा फरदीन खान और मुकेश कुमार निर्दलीय हैं। वार्ड 32 में जानकीदास, भलाराम और किशोर कुमार भाजपा से, जबकि गोपाल दास, भलाराम माली और रेखा देवी निर्दलीय हैं। वार्ड 33 में अरविन्द कुमार भाजपा और निर्दलीय दोनों रूप में दर्ज हैं।

वार्ड 35 में रस्तम अली कांग्रेस व निर्दलीय, हकीम खां कांग्रेस और मुकेश कुमार भाजपा से हैं। वार्ड 36 में तलकाराम कांग्रेस व निर्दलीय हैं। वार्ड 37 में मनीषा सुखाडिया और रिंकू कुमारी भाजपा तथा सीता देवी निर्दलीय हैं। वार्ड 38 में गोमती देवी और विमला देवी सुखाडिया भाजपा तथा खतीजा बानू निर्दलीय हैं। वार्ड 39 में भाजपा के जय सिंह के सामने सुमेन्द्र सिंह निर्दलीय व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी से, जबकि प्रवीण कुमार, मुख्तियार खान और महेन्द्र सिंह निर्दलीय मैदान में हैं। वार्ड 40 में भमरा राम भाजपा और निर्दलीय दोनों रूप में दर्ज हैं।

किसानों को सताने लगी अकाल की चिंता, प्रशासन से सर्वे व आर्थिक सहायता की मांग

दगा दे गया मानसून, खेतों में ही सूखने लगी खरीफ की फसलें

दैनिक सम्राट संवाददाता

सियाणा (रामसिंह महेचा)। नारणावास क्षेत्र में मानसून की बेरुखी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश का लंबा अंतराल होने से खेतों में खड़ी खरीफ की फसलें अब सूखने लगी हैं। लहलहाती फसलों के मुरझाने से किसानों को इस बार अकाल जैसी स्थिति की आशंका सताने लगी है।

नारणावास, नया नारणावास और धवला क्षेत्र के किसानों के अनुसार जुलाई माह में शुरुआती बारिश होने के बाद उन्होंने उम्मीद के साथ महंगे दामों पर बीज खरीदकर ट्रैक्टरों से खेतों की बुवाई की थी। किसानों ने बाजरा, मूंग, तिल, ग्वार, मूंगफली सहित विभिन्न खरीफ फसलों की बुवाई की। शुरुआती दिनों में पर्याप्त नमी मिलने से फसलें अच्छी खड़ी हुई थीं।

किसानों ने फसल को तैयार करने के लिए खेतों में निराई-गुड़ाई कर खरपतवार हटाया और मेहनत व पैसा लगाया। लेकिन इसके बाद लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण खेतों की नमी खत्म हो गई। पानी के अभाव में मूंग और बाजरे की फसल पीली पड़ने लगी है और कई खेतों में पौधे सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं।

खेती की बढ़ती लागत से किसान परेशान: किसानों फका राम, हीर सिंह, नेना राम सहित अन्य किसानों का कहना है कि खेती करना लगातार महंगा होता जा रहा है। डीजल, बीज, खाद और मजदूरी की बढ़ती लागत के कारण खेती में खर्च बढ़ गया है। ऐसे में यदि समय पर बारिश नहीं हो तो किसान की पूरी लागत डूबने का खतरा रहता है।

किसानों का कहना है कि लगातार बढ़ती लागत और मौसम की अनिश्चितता के कारण खेती अब घाटे का सौदा बनती जा रही है। बारिश नहीं होने से फसल खराब हुई तो किसानों पर आर्थिक बोझ और बढ़ जाएगा।

प्रशासन से सर्वे करवाने की मांग: नारणावास प्रशासक (सरपंच) जशोदा कंवर एवं क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन से प्रभावित खेतों का जल्द सर्वे करवाने की मांग की है। किसानों ने कहा कि यदि बारिश नहीं होती है और फसलें खराब होती हैं तो उन्हें नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

पशुपालकों को भी चारे की चिंता: बारिश की कमी का असर केवल खेती तक सीमित नहीं है। क्षेत्र के पशुपालक भी चिंतित हैं। खरीफ फसलों के खराब होने की स्थिति में आने वाले समय में पशुओं के लिए चारे की कमी हो सकती है।

रक्षाबंधन और जन्मदिन पर 6 रक्तवीरों ने किया रक्तदान, दिया मानव सेवा का संदेश

यूथ फॉर नेशन के बैनर तले स्वैच्छिक रक्तदान; 'एक यूनिट रक्त किसी के जीवन की नई उम्मीद'

दैनिक सम्राट संवाददाता

भीनमाल (विक्रम राठी)। रक्षाबंधन पर्व और राकेश बिश्नोई के जन्मदिन के अवसर पर यूथ फॉर नेशन संस्था भीनमाल के बैनर तले 6 रक्तवीरों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान के माध्यम से रक्तवीरों ने जरूरतमंद मरीजों के जीवन में मदद का संकल्प लिया।

रक्तदान करने वालों में राकेश बिश्नोई, मुकेश, आसु बिश्नोई, देवी लाल, शैतान सिंह और पदम सिंह शामिल रहे। सभी रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक सरोकार में अपनी भागीदारी निभाई।

संस्था के सदस्यों ने सभी रक्तवीरों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद मरीज को जीवनदान मिल सकता है। नियमित रक्तदान से समाज में जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता बनाए रखने में भी मदद मिलती है।

इस अवसर पर संस्था की ओर से कहा गया कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम है। युवाओं को भी रक्तदान के प्रति जागरूक होकर जरूरत के समय आगे आने का संदेश दिया गया।

श्रीमद्भागवत कथा का भक्तिमय आयोजन, सातवें दिन संत कृपारामजी ने सुनाया भक्ति का महत्व

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। गुरूकृपा सेवा समिति, बेंगलुरु की ओर से माहेश्वरी भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजन जारी है। कथा के सातवें दिन प्रसिद्ध संत एवं कथावाचक संत कृपारामजी महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन सुनाया।

कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु माहेश्वरी भवन पहुंचे। संत कृपारामजी महाराज ने कथा के माध्यम से भगवान की भक्ति, सत्संग, धर्म और संस्कारों के महत्व

पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल कथा नहीं, बल्कि मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करने वाला आध्यात्मिक ग्रंथ है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में भगवान का स्मरण करते हुए सत्य, सेवा, सदाचार और संस्कारों के मार्ग पर चलना चाहिए। सत्संग और भगवान के नाम स्मरण से मन को शांति मिलती है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कथा के दौरान संत कृपारामजी महाराज ने भगवान की लीलाओं एवं भक्तों की श्रद्धा से जुड़े प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। भजन-कीर्तन और भगवान के जयकारों से माहेश्वरी भवन का वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर कथा का श्रवण करते नजर आए।

गुरूकृपा सेवा समिति, बेंगलुरु की ओर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं। समिति के पदाधिकारियों ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा में पहुंचकर संत कृपारामजी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

राजपूत समाज बेंगलुरु में भागवत कथा का आयोजन

संत राजाराम ने दिया एकता और धर्मप्रेम का संदेश

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। राजपूत समाज बेंगलुरु की ओर से धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में समाजबंधुओं एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने भाग लेकर कथा श्रवण का लाभ लिया। कथा स्थल पर श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा।

कथा के दौरान संत राजाराम ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में सभी को साथ लेकर चलना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सबको साथ लेकर चलना है और धर्म प्रेमियों को साथ रखना है। संत राजाराम ने समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और एकता को मजबूत करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि धर्म हमें एक-दूसरे का सम्मान करने, जरूरतमंदों की सहायता करने और समाज को संगठित रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग एकजुट होकर आगे बढ़ते हैं तो सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों को और मजबूती मिलती है।

भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म और संस्कारों का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को जीवन में सदाचार एवं आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया गया। कथा के दौरान भजनों एवं धार्मिक जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

राजपूत समाज के पदाधिकारियों एवं आयोजकों ने संत राजाराम का स्वागत एवं सम्मान किया तथा कथा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धर्म और संस्कारों से जोड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से धर्म, समाज और संस्कारों की रक्षा के साथ आपसी एकता एवं भाईचारा बनाए रखने का संकल्प लिया।

मोदरान में 6 सितंबर को लगेगा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

जांच के बाद आबूरोड में होगा मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन, चश्मे-दवाइयां और भोजन की भी व्यवस्था

दैनिक सम्राट संवाददाता

मोदरान (विक्रम राठी)। श्री अणदारामजी सेवा संस्थान मोदरान एवं श्री ब्राह्मण स्वर्णकार युवा संगठन, जिला जालोर के संयुक्त तत्वावधान में 6 सितंबर रविवार को भीमपुरा रोड स्थित श्री अणदेश्वर वाटिका, सोनी समाज भवन में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित होगा। शिविर में सर्व समाज के मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच की जाएगी।

ब्रह्माकुमारी संस्थान भीनमाल, ग्लोबल नेत्र संस्थान आबूरोड एवं जिला अंधता निवारण समिति जालोर की प्रेरणा से आयोजित शिविर में ऑपरेशन योग्य मरीजों का चयन कर ग्लोबल नेत्र संस्थान आबूरोड में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कराया जाएगा। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क नजर के चश्मे व दवाइयां भी दी जाएंगी। मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

श्री ब्राह्मण स्वर्णकार युवा संगठन के जिलाध्यक्ष रमेश सोनी पुनासा ने बताया कि यह ब्रह्माकुमारी संस्थान का 140वां नेत्र सेवा शिविर होगा, जबकि श्री अणदेश्वर वाटिका में यह चौथा शिविर है। शिविर समाजसेवी एवं भामाशाह स्वर्गीय जगदीशकुमार पुत्र छगनलालजी सोनी, बागरा की पुण्य स्मृति में उनके परिवार की ओर से आयोजित किया जा रहा है।

शिविर का सम्पूर्ण खर्च दिलीपकुमार सोनी एवं रविकुमार सोनी वहन करेंगे।

रामकृष्ण हेगड़े की जन्म शताब्दी पर विचार-मंथन

मूल्य आधारित राजनीति को आगे बढ़ाने का संकल्प

दैनिक सम्राट संवाददाता

बेंगलुरु (दलपतसिंह भायल)। मूल्य आधारित राजनीति के पुरोधा एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कीर्तिशेष रामकृष्ण हेगड़े की जन्म शताब्दी के अवसर पर शनिवार को गांधी भवन, कुमारकृपा रोड में जन्म शताब्दी समारोह एवं विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को मूल्य-आधारित कायाकाश्री पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया।

समारोह में वक्ताओं ने रामकृष्ण हेगड़े के राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि वर्ष 1983 में उनके नेतृत्व में कर्नाटक में पहली बार गैर-कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई थी। हेगड़े ने अपने कार्यकाल में किसानों के हित, महिला सशक्तिकरण, छात्रों के शैक्षिक विकास तथा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके द्वारा किए गए सुधार और उनके राजनीतिक आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वाणी एन. शेट्टी, संस्थापक यशोदा एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट एवं जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण भारत प्रभारी) ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन परम पूज्य श्री शशिकांत गुरुजी ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय किसान पुरस्कार विजेता एवं कर्नाटक राज्य किसान संघ तथा ग्रीन आर्मी की राज्य मानद अध्यक्ष इंचगेरी श्रीमत अथानी हरुगेरी, जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जेपी सेनानी कार्यकर्ता जय प्रकाश बंधु, रामकृष्ण हेगड़े के अनुयायी एवं कर्नाटक विधान परिषद के पूर्व सदस्य डॉ. एम.पी. नाडागौड़ा, कन्नड़ फिल्म निर्माता उमेश सहित

अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों में जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राज कपूर यादव, वरिष्ठ किसान नेता एच. मीनाक्षी, जनता पार्टी राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग विंग के अध्यक्ष विनय कुमार साह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुज शर्मा तथा वेदमूर्ति डॉ. कदया शिवमूर्ति हिरेमठ स्वामीजी शामिल रहे।

समारोह में जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डी.एम. मादेगौड़ा ने स्वागत भाषण दिया। राज ए. ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी, जबकि जनता पार्टी बेंगलुरु शहर के अध्यक्ष एवं राज्य किसान इकाई के अध्यक्ष भैरेगौड़ा ने अतिथियों का अभिनंदन किया।

इस दौरान जनता पार्टी के बेंगलुरु केंद्र जिला अध्यक्ष ससगिरि गौड़ा भी उपस्थित रहे। उन्होंने रामकृष्ण हेगड़े के विचारों एवं उनके द्वारा स्थापित राजनीतिक मूल्यों को याद करते हुए कहा कि वर्तमान समय में समाज और राजनीति में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जनसेवा की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता है।

वक्ताओं ने कहा कि रामकृष्ण हेगड़े का जीवन सादगी, ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा के मूल्यों से जुड़ा रहा। किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में उनके कार्यों को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। जन्म शताब्दी समारोह के माध्यम से उनके विचारों पर मंथन कर उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

समारोह के दौरान मूल्य-आधारित कायाकाश्री पुरस्कार-2026 के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनता पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, किसान नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिवस: श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह तक भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

देवी चित्रलेखा के भजन दूल्हा बने नंदलाल, जोड़ी का जवाब नहीं, पर झूमे श्रद्धालु

दैनिक सम्राट संवाददाता

इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। महात्यागी बाबा की धार्मिक नगरी इटावा स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिवस सुप्रसिद्ध कथा वाचिका देवी चित्रलेखा जी ने महारास लीला, भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा गमन, कंस वध तथा श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का अत्यंत सुंदर एवं भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान पूरा पंडाल 'जय श्रीकृष्ण' और 'राधे-राधे' के जयकारों से गूंज उठा। मधुर संगीत और भजनों पर श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूमते और नृत्य करते नजर आए। भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह की सजीव झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

कथा के शुभारंभ से पूर्व व्यासपीठ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। कथा आयोजक एवं निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष तथा भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवक्ता रजनी सोनी, मानव सेवा समिति अध्यक्ष रिंकू सोनी, जानकी सोनी, ऋषिकेश, राघव एवं सलोनी सोनी ने पूजा-अर्चना कर कथा का शुभारंभ कराया।

उन्होंने कहा कि महारास कोई सांसारिक नृत्य नहीं, बल्कि जीवात्मा और परमात्मा के महामिलन का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण ने जब शरद पूर्णिमा की रात बंसी बजाई तो गोपियां अपने सभी सांसारिक बंधनों को भूलकर भगवान की ओर खिंची चली आईं।

उन्होंने बताया कि महारास के पांच अध्याय श्रीमद् भागवत के पांच प्राण के समान हैं। जो भक्त ठाकुरजी के इन गीतों को सच्चे भाव से गाता है, वह संसार रूपी भवसागर से पार हो जाता है।

देवी चित्रलेखा जी ने अभिमान के त्याग का संदेश देते हुए कहा कि जब तक जीव के भीतर अहंकार और अभिमान रहता है, तब तक भगवान उससे दूर रहते हैं। गोपियों के मन में जब मान उत्पन्न हुआ तो ठाकुरजी अंतर्ध्यान हो गए। इसके माध्यम से उन्होंने भक्तों को प्रेम, समर्पण और अहंकार त्याग का संदेश दिया।

कथा के अगले प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के ब्रज से मथुरा प्रस्थान का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। अक्रूर जी महाराज जब श्रीकृष्ण और बलराम को लेने ब्रज पहुंचे तो भगवान के मथुरा प्रस्थान के समय गोपियों और ब्रजवासियों की विरह वेदना का देवी जी ने भावपूर्ण चित्रण किया। प्रसंग सुनकर कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं।

मथुरा पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राजा कंस का वध कर प्रजा को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई और माता देवकी तथा पिता वसुदेव को कारागार से मुक्त कराया। इसके बाद संदीपनी आश्रम में भगवान की शिक्षा तथा द्वारकापुरी की स्थापना से जुड़े प्रसंग भी सुनाए गए।

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह बना कथा का मुख्य आकर्षण

छठवें दिन की कथा का सबसे आनंदमयी और आकर्षक प्रसंग भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी का विवाह रहा। देवी चित्रलेखा जी ने बताया कि विदर्भ देश के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी जी भगवान श्रीकृष्ण को अपना सर्वस्व मान चुकी थीं। जब उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से कराने का प्रयास किया, तब रुक्मिणी जी ने एक ब्राह्मण के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के पास अपना प्रेम एवं समर्पण से भरा संदेश भेजा। भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी जी के भक्ति भाव को स्वीकार करते हुए उन्हें मंदिर से अपने साथ ले जाकर द्वारका में विधि-विधान से विवाह किया। कथा पंडाल में श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह की दिव्य एवं मनमोहक सजीव झांकी सजाई गई।

भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

व्यासपीठ से देवी चित्रलेखा जी ने जब भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी तो श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। उनके द्वारा प्रस्तुत लगन प्रभु से लगा बैठे, जो होगा देखा जायेगा, हो येसो रास रचियों वृंदावन, हे रही पायल की झंकार और दूल्हा बने नंदलाल, जोड़ी का जवाब नहीं जैसे भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। भगवान के विवाह के भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया और पूरा कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

डॉ. अमिता बिरला ने भी किया कथा श्रवण

शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की धर्मपत्नी डॉ. अमिता बिरला भी श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने पहुंचीं। उन्होंने व्यासपीठ पर ढोक लगाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान देवी चित्रलेखा जी एवं यजमानों ने दुपट्टा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। डॉ. अमिता बिरला ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए इटावा नगरी को धार्मिक नगरी बताया और धर्म एवं आध्यात्म से जुड़े संदेश दिए। कथा आयोजक रिंकू सोनी ने बताया कि रविवार, 30 अगस्त को श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति होगी। इस अवसर पर प्रातः 9:30 बजे से कथा वाचन किया जाएगा।

120 किलोमीटर दूर पहुंची नेत्रदान टीम, पिता के नेत्रदान से बेटे ने निभाई मानवता की मिसाल

रक्षाबंधन के दिन सेवा को प्राथमिकता देकर खातौली पहुंचे डॉ. कुलवंत गौड़, नेत्रदान के बाद लौटकर निभाया पारिवारिक दस्तूर

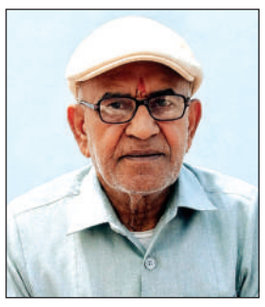

दैनिक सम्राट संवाददाता

इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। जीवनभर समाजसेवा, जनकल्याण और लोगों के सुख-दुख में सहभागी रहे खातौली के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि एवं चार बार सरपंच रहे श्री शंभू दयाल शर्मा ने निधन के बाद भी समाज को मानवता और सेवा का प्रेरणादायक संदेश दे दिया। उनके निधन के पश्चात पत्नी रामेश्वरी देवी और नेत्रदान संकल्पित पुत्र कपिल शर्मा ने उनका नेत्रदान करवाकर मानवता की मिसाल पेश की।

समाजसेवी, हंसमुख, विनम्र और हर व्यक्ति के सुख-दुख में सहयोग करने वाले शर्मा का शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। जीवनभर जनसेवा को समर्पित रहे शर्मा की अंतिम विदाई भी समाज के लिए एक नई रोशनी का संदेश बन गई।

पुत्र ने निभाई पिता के संस्कारों की विरासत: शंभू दयाल शर्मा के निधन के बाद उनके सुपुत्र कपिल शर्मा ने पिता का नेत्रदान करवाने का निर्णय लिया। कपिल शर्मा स्वयं लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं और नेत्रदान के लिए संकल्पित भी थे।

परिवार के सदस्य एवं शाइन इंडिया फाउंडेशन के ज्योति मित्र अंजनी शर्मा की समझाइश तथा माता रामेश्वरी देवी की सहमति के बाद परिवार ने यह पुनीत कार्य संपन्न कराया।

पिता के जीवनभर किए गए समाजसेवा के कार्यों से प्रेरणा लेते हुए पुत्र द्वारा उनके नेत्रदान का निर्णय केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि उनके संस्कारों और सेवा की विरासत को आगे बढ़ाने का भावपूर्ण संकल्प भी रहा। पिता के नेत्र किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी ला सकें, इससे बड़ी श्रद्धांजलि और क्या हो सकती है।

रक्षाबंधन पर भी नहीं रुका सेवाभाव: ज्योति मित्र अंजनी शर्मा ने कोटा में शाइन इंडिया फाउंडेशन एवं ईबीएसआर कोटा चैप्टर के कॉर्डिनेटर डॉ. कुलवंत गौड़ को नेत्रदान की सूचना दी। उस समय डॉ. गौड़ रक्षाबंधन के पर्व पर अपनी बहनों के आने और राखी बंधवाने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

नेत्रदान की सूचना मिलते ही उन्होंने पारिवारिक जिम्मेदारी के साथ मानव सेवा को भी प्राथमिकता दी और तत्काल अपनी नेत्र संकलन वाहिनी 'ज्योति रथ' लेकर खातौली के लिए रवाना हो गए। करीब डेढ़ घंटे में लगभग 120 किलोमीटर की दूरी तय कर डॉ. गौड़ इटावा पहुंचे और वहां से अपने सहयोगी देवेंद्र जैन एवं डॉ. विकल्प नागर को साथ लेकर खातौली पहुंचे। टीम ने समय रहते श्री शर्मा का नेत्रदान संपन्न कराया।

नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी करने के बाद डॉ. गौड़ रात करीब 8 बजे कोटा वापस लौटे और इसके बाद अपनी बहनों से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन का पारिवारिक दस्तूर निभाया। सेवा और रिश्तों के इस समन्वय ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। यह प्रसंग संदेश देता है कि रिश्तों की मिठास के साथ मानवता की सेवा भी जीवन का अनमोल धर्म है।

ग्रामीणों ने प्रत्यक्ष देखी नेत्रदान की प्रक्रिया: डॉ. गौड़ और उनकी टीम के सेवाभाव को देखकर मौके पर मौजूद ग्रामीणों में भी नेत्रदान के प्रति जागरूकता और जिज्ञासा बढ़ी। कई ग्रामीणों ने पहली बार नेत्रदान की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा और जाना कि मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन से अंधकार दूर करने का माध्यम बन सकता है।

शाइन इंडिया फाउंडेशन की टीम ने उपस्थित लोगों को नेत्रदान की प्रक्रिया एवं उसके महत्व की जानकारी दी। टीम ने बताया कि नेत्रदान दिवंगत व्यक्ति की विदाई के बाद भी किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी पहुंचाने वाला एक अमर उपहार है।

जनसेवा का रहा लंबा और प्रेरणादायक सफर: शंभू दयाल शर्मा जनसंघ के समय से ही सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे। वर्ष 1976 से लगातार चार बार सरपंच रहे। इसके बाद वर्ष 2005 में उन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती रामेश्वरी देवी को भी सरपंच बनवाया।

उनका पूरा जीवन सादगी, ईमानदारी, विनम्रता और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। निधन के बाद नेत्रदान के माध्यम से उन्होंने अपने व्यक्तित्व को एक और प्रेरणादायक पहचान दी। जीवनभर समाज के लिए जीने वाले शर्मा जाते-जाते भी किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी की उम्मीद छोड़ गए। नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शाइन इंडिया फाउंडेशन के सदस्यों ने शर्मा परिवार द्वारा किए गए इस प्रेरणादायक एवं पुनीत कार्य के लिए परिवार के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

बल्लूवास में सड़क किनारे खेत में दीवार पर आधे घंटे तक बैठा रहा पैंथर

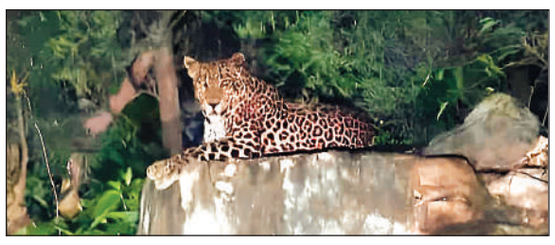

ग्रामीण डरे, वन विभाग की टीम भी पहुंची मौके पर

दैनिक सम्राट संवाददाता

किशोरी। गांव बल्लूवास में देर रात्रि साढ़े दस बजे सड़क किनारे रूपकिशोर शर्मा के खेत में दीवार पर पैंथर बैठा दिखाई दिया। वहां से गुजर रहे ग्रामीण गोपीराम पोषवाल एवं अन्य साथी जब सड़क मार्ग से घर की ओर लौट रहे थे तब उन्हें सड़क के किनारे खेत में गेट पर पैंथर बैठा दिखाई दिया जिससे वे घबरा गए। उन्होंने फोन करके गांव में ग्रामीणों एवं वन विभाग के कार्मिकों को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे इस दौरान पैंथर करीब 30 मिनिट तक दीवार पर बैठा रहा। इस दौरान ग्रामीणों ने वीडियो भी बनाया। इसके बाद स्कूल की तरफ से होते हुए पैंथर जंगल की ओर चला गया मगर ग्रामीणों में काफी देर तक डर बना रहा। शनिवार सुबह प्रतापगढ़ नाका से वनपाल देशराज मीना मय स्टाफ मौके पर पहुंचे एवं ग्रामीणों से मामले की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों द्वारा बनाए गए वीडियो देखा।

इस दौरान मौके पर पैंथर के पगमार्क मिले। ग्रामीणों ने बताया कि पैंथर की मौजूदगी से पशुपालकों में चिंता बढ़ गई है। गांव में सैकड़ों परिवार पशुपालन एवं कृषि कार्य से जुड़े हुए हैं जिसके चलते ग्रामीणों को अपने पशुओं के शिकार होने का डर सता रहा है।

राजस्थानी गीतकार देवकी दर्पण को मिला 'ग्रामीण सम्मान-2026'

सन्मानपुरा में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, राजस्थानी गीतों और कविताओं ने बांधा समां

दैनिक सम्राट संवाददाता

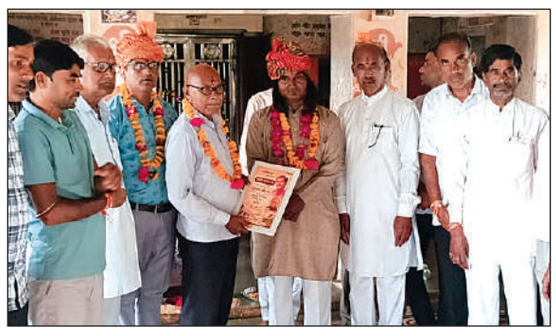

इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। इटावा क्षेत्र के सन्मानपुरा में शुक्रवार को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'ग्रामीण सम्मान-2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थानी गीतकार एवं कवि देवकी दर्पण को उनकी साहित्यिक एवं राजस्थानी भाषा-संस्कृति के क्षेत्र में रचनात्मक योगदान के लिए ग्रामीण बंधुओं की ओर से सम्मानित किया गया। उन्हें माला, साफा एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर 'ग्रामीण सम्मान-2026' प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। मंच संचालक कवि महावीर रेनवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भारतीय परंपरा के अनुरूप अतिथि सत्कार का निर्वहन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांवर लाल नागर रहे, जबकि अध्यक्षता सेवानिवृत्त व्याख्याता बालमुकुंद नागर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में गोपाल नागर, सीताराम शर्मा, लखन राजौरा एवं प्रेम बिहारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राजस्थानी गीतकार एवं कवि देवकी दर्पण ने अपनी लोकप्रिय रचनाओं की प्रस्तुति देकर माहौल को साहित्यिक एवं सांस्कृतिक रंग से सराबोर कर दिया। उन्होंने 'म्हारी दांयी कळाई पर राखी बांध बणा' तथा 'म्हारो करसो छ रोट्या को देवाड' जैसे राजस्थानी गीत प्रस्तुत किए। राजस्थानी भाषा की मिठास और लोकभावनाओं से जुड़ी इन रचनाओं को श्रोताओं ने खूब पसंद किया और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कवि का उत्साह बढ़ाया।

इसी क्रम में मंच संचालक एवं कवि महावीर रेनवाल ने 'घणी घणी समझावं अब तो मत पीवो जी दारू' रचना प्रस्तुत कर सामाजिक संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने कुंवारे व्यक्ति की पीड़ा पर आधारित गीत प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर श्रोताओं ने खूब दाद दी।

कार्यक्रम के संयोजक कवि रूपनारायण शर्मा 'संजय' ने अपने मुक्तकों के माध्यम से हास्य की फुहार बिखेरी। उनके मुक्तकों पर कार्यक्रम स्थल पर जमकर ठहाके लगे और श्रोताओं ने तालियों के साथ उनकी प्रस्तुतियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में प्रेम बिहारी, ब्रजमोहन गोचर, तुलसीराम नागर, रामनरेश, महावीर नागर, निमेष प्रजापति, महावीर, दीनदयाल नागर, केशव शर्मा, मुकेश नागर, प्रेमशंकर, रामाकांत, बद्रीलाल सुमन, मुकुट बैरवा, मुलचंद कटारिया सहित अनेक ग्रामीण बंधु, साहित्यप्रेमी एवं श्रोता उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा का 30 अगस्त को होगा समापन, 40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के लिए भंडारा

दैनिक सम्राट संवाददाता

इटावा (ओमप्रकाश जगरोटिया)। कृषि उपज मंडी प्रांगण, इटावा में प्रसिद्ध कथा वाचिका देवी चित्रलेखा के मुखारबिंद से चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का रविवार, 30 अगस्त को समापन एवं पूर्णाहुति होगी। समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

कथा के यजमान रिंकू सोनी एवं रजनी सोनी ने इटावा क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार पहुंचकर महाप्रसादी ग्रहण करने और धर्मलाभ लेने का आह्वान किया है।

भोजनालय के प्रभारी विष्णु गोयल, राधेश्याम मोदी एवं अनिल गौतम ने बताया कि कथा के समापन के बाद दोपहर 2 बजे से महाप्रसादी का वितरण शुरू किया जाएगा, जो प्रभु इच्छा तक जारी रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यापक तैयारियां की गई हैं।

उन्होंने बताया कि महाप्रसादी के लिए 21 बोरी शक्कर की बूंदी तैयार की जा चुकी है। बूंदी तैयार करने के लिए 10 भट्टियों पर कार्य किया गया है। भंडारे में पूड़ी, सब्जी, नमकीन एवं बूंदी की महाप्रसादी श्रद्धालुओं को बैठाकर खिलाई जाएगी। आयोजकों के अनुसार भंडारे में 40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के महाप्रसादी ग्रहण करने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुचारु व्यवस्था के लिए 10 काउंटर लगाए जा रहे हैं।

रेवाड़ी-मदार जंक्शन के बीच चलेगी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में रक्षाबंधन के बाद व त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने रेवाड़ी-फुलेरा-रेवाड़ी स्पेशल ट्रेन का मदार जंक्शन तक विस्तार कर दिया है। अब यह ट्रेन रेवाड़ी-मदार जंक्शन-रेवाड़ी अनारक्षित स्पेशल के रूप में संचालित होगी। इससे हरियाणा और राजस्थान के यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि गाड़ी संख्या 09717 रेवाड़ी-मदार जंक्शन अनारक्षित स्पेशल 29 से 31 अगस्त तक तीन ट्रिप तथा 4 से 7 सितंबर तक चार ट्रिप संचालित होगी। ट्रेन रेवाड़ी से सुबह 4:15 बजे रवाना होकर फुलेरा सुबह 9:20 बजे, नरैना 9:39 बजे और किशनगढ़ 10:14 बजे पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन 11 बजे मदार जंक्शन पहुंचेगी।

7 तक होगी संचालित: इसी तरह गाड़ी संख्या 09718 मदार जंक्शन-रेवाड़ी अनारक्षित स्पेशल 29 से 31 अगस्त तक तीन ट्रिप और 4 से 7 सितंबर तक चार ट्रिप संचालित होगी। यह ट्रेन मदार जंक्शन से सुबह 11:50 बजे रवाना होकर किशनगढ़ 12:05 बजे, नरैना 12:40 बजे और फुलेरा 12:55 बजे पहुंचेगी। इसके बाद शाम 5:30 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर ठहराव: रेलवे के अनुसार इस स्पेशल ट्रेन का ठहराव कुंड, अटेली, नारनौल, निजामपुर, डाबला, मांवड़ा, नीमकाथाना, कांवट, श्रीमाधोपुर, रींगस, रेनवाल, फुलेरा, नरैना और किशनगढ़ स्टेशनों पर रहेगा। मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ट्रेन का संचालन समय और ठहराव पहले की तरह ही रहेगा।

बाइक चोर गिरफ्तार, कम कीमत में बेच देता था चोरी की मोटरसाइकिल

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। जयपुर की माणक चौक थाना पुलिस ने बाइक चोरी के आरोपी नरेन्द्र उर्फ रवि (25) निवासी झांझांरामपुर, थाना बसवा, जिला दौसा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं।

पूछताछ में आरोपी ने जयपुर शहर के अलग-अलग इलाकों से कई बाइक चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर अन्य वारदातों और चोरी की बाइकों की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा ने बताया कि माणक चौक थाना पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

तकनीकी और मुखबिर तंत्र से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस को एक संदिग्ध के जयपुर शहर में चोरी की बाइक बेचने के लिए घूमने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

7 जुलाई को माणक चौक इलाके से चुराई थी बाइक: पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई को परिवादी मोहम्मद रशीद ने माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 7 जुलाई को वह सब्जी मंडी, चौड़ा रास्ता होते हुए माणक चौक पहुंचा था। बाइक को वहां खड़ा कर काम से गया। वापस लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। इस संबंध में माणक चौक थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

गिरफ्तार आरोपी से 2 चोरी की बाइक बरामद: पुलिस पूछताछ में आरोपी ने आर्थिक जरूरतों के चलते बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार, आरोपी जयपुर आकर अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी करता और बाद में उन्हें कम कीमत पर बेच देता था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं।

6 और बाइक चोरी करने की बात कबूली: पूछताछ में आरोपी ने माणक चौक के अलावा जयपुर के अन्य इलाकों से भी बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने सांगानेर, कपट बस स्टैंड, एनएस रोड, दादा सर्किल और रेलवे स्टेशन सहित अन्य स्थानों से बाइक चोरी करने की जानकारी दी है।

पुलिस अब इन वारदातों में चोरी की गई बाइकों की बरामदगी के लिए प्रयास कर रही है। आरोपी से पूछताछ में अन्य वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा होने की भी संभावना है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी की बाइकों को कहां और किन लोगों को बेचा जाता था और इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दी कनक दंडवत, प्रसादी वितरण का हुआ आयोजन

बामनवास चौगान से राड़ी वाले हनुमान मंदिर तक पदयात्रा एवं कनक दंडवत का आयोजन किया गया

दैनिक सम्राट संवाददाता

किशोरी। कस्बे के समीपवर्ती गांव बामनवास चौगान में शनिवार सुबह बस स्टैंड स्थित सीतारामजी के मंदिर में आचार्य रामवतार शर्मा, गोकुल शर्मा, पंडित गौरीशंकर शर्मा ने वैदिक विधि- विधान से ध्वज पूजा अर्चना करवाई। इसके बाद सैकड़ों पदयात्री जयकारे लगाते हुए एवं कनक दंडवत करते हुए राड़ी वाले हनुमानजी के मंदिर तक पहुंचे। इस दौरान रास्ते में ग्रामीणों ने पदयात्रियों का स्वागत किया व अनेक स्थानों पर फलाहार एवं नींबू पानी पिलाया। पदयात्रियों ने 5 किलोमीटर दूर राड़ी वाले हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर ध्वज चढ़ाया। इससे पूर्व शुक्रवार को राड़ी वाले हनुमान मंदिर परिसर में शुरू हुई रामायण पाठ का आज समापन हुआ जिसके बाद विशेष पूजा अर्चना का आयोजन कर सर्वजन हितार्थ सुख - समृद्धि की कामना की गई।

हनुमान प्रतिमा की अलौकिक झांकी सजाई गई एवं सामूहिक सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। इनके बाद प्रसादी तैयार कर हनुमान प्रतिमा के भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

नामिबिया ने फिर किया बड़ा उलटफेर

नामीबिया. एजेंसी

नामीबिया ने टी20 ट्राई-सीरीज 2026 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 18 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया। ब्रेविस की 75 रन की पारी भी दक्षिण अफ्रीका को न बचा सकी। नामीबिया ने एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 क्रिकेट में बड़ा उलटफेर कर दिया। शुक्रवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए नामीबिया टी20 ट्राई-सीरीज 2026 के पहले मुकाबले में मेजबान टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 18 रन से मात दी। ये पिछले 10 महीनों में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नामीबिया की दूसरी जीत है। नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 145 रन ही बना सकी। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया को जान फ्राइलिंक और लॉरेन स्टीनकैंप ने तेज शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 84 रन जोड़े। फ्राइलिंक ने 38 गेंदों पर 60 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वहीं स्टीनकैंप ने 29 गेंदों पर 41 रन बनाए। नामीबिया 15वें ओवर में 133 रन तक पहुंच चुका था और बड़ा स्कोर बनाता दिख रहा था, लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की।

रॉबिन्सन-आर्चर की घातक गेंदबाजी, पाकिस्तान पर इंग्लैंड की पकड़ मजबूत

पाकिस्तान की बल्लेबाजी फिर फ्लॉप, इंग्लैंड ने बढ़ाए जीत की ओर मजबूत कदम

लंदन. ओली रॉबिन्सन की घातक गेंदबाजी और जॉफ्रा आर्चर की तेज गेंदों के सामने पाकिस्तान की बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई, जिससे इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन लॉर्ड्स में अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। इंग्लैंड के 290 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम पहली पारी में सिर्फ 110 रन पर सिमट गई। इसके बाद इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 81 रन पर तीन विकेट गंवाए और दिन का खेल समाप्त होने तक उसकी कुल बढ़त 261 रन हो गई।

पहली पारी

इंग्लैंड		पाकिस्तान
290 (पहली पारी)		110 (पहली पारी)
जेमी स्मिथ 61		आजान अवैस 46
जॉर्डन कॉक्स 55		सऊद शकील 16
गस एटकिंसन 45*		

इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज

ओली रॉबिन्सन	4/11
जॉफ्रा आर्चर	3/21
जोश टंग	2/28

पाकिस्तान 37.2 ओवर में 110 रन पर ऑल आउट

इंग्लैंड की दूसरी पारी

81/3 (दिन का खेल समाप्त)

⊗ बेन डकेट	15	(खरम शहजाद)
⊗ जॉर्डन कॉक्स	5	(खरम शहजाद)
⊗ जो रूट	12	(मोहम्मद अली)
एमिलियो गे	30*	
हैरी ब्रूक	7*	

कुल बढ़त 261 रन

इंग्लैंड अब 261 रन की मजबूत बढ़त के साथ तीसरे दिन उतरेगा। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चुनौती इंग्लैंड के स्कोर को जल्द रोकना और अपनी दूसरी पारी में बेहतर बल्लेबाजी करना होगी।

एथलेटिक्स को नंबर वन ओलंपिक खेल बने रहना चाहिए: सेबेस्टियन कोए

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। वर्ल्ड एथलेटिक्स के प्रेसिडेंट सेबेस्टियन कोए ने कहा है कि वह एथलेटिक्स के भविष्य को लेकर बहुत उम्मीद रखते हैं और इस खेल को नंबर वन ओलंपिक खेल के तौर पर अपनी जगह बनाए रखनी चाहिए। ज्यूरिख में डायमंड लीग मीटिंग से पहले कोए ने कहा, ह्लसिर्फ दो ही सच में ग्लोबल खेल हैं: एक फुटबॉल और दूसरा एथलेटिक्स। हमें नंबर वन ओलंपिक खेल के तौर पर अपनी जगह बनाए रखनी चाहिए।ह्व अगले महीने 70 साल के होने वाले प्रेसिडेंट ने कहा, ह्लमैं इस खेल के भविष्य को लेकर बहुत उम्मीद रखता हूं। मैं इस खेल के भविष्य को लेकर पहले कभी इतना उम्मीद से भरा नहीं रहा। मेरे बाद जो भी आएगा, उसे मुझसे कहीं अधिक मजबूत खेल विरासत में मिलेगा। मुझे पूरा यकीन है कि यह खेल आगे बढ़ता रहेगा। मुझे पता है कि यह नंबर वन ओलंपिक खेल बना रहेगा।ह्व यह ब्रिटिश प्रेसिडेंट 2027 में अपना पद छोड़ देंगे। उन्हें 19 अगस्त 2015 को बीजिंग में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन्स (आईएएएफ) का प्रेसिडेंट चुना गया था, जिसका नाम 2019 में बदलकर वर्ल्ड एथलेटिक्स कर दिया गया था।

टखने की चोट के कारण बाकी सीजन से बाहर हुए नीरज

नई दिल्ली. ब्यूरो। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा टखने की चोट के कारण बचे हुए पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। नीरज ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। नीरज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, काफी समय की मेहनत के बाद मुझे लगा था कि मैं अपनी लय हासिल करने लगा हूं। लुसाने में मैंने इस सीजन का अपना बेस्ट थ्रो भी फेंका था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इसके ठीक बाद ही ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने का लिगामेंट फट गया

है। अपने डॉक्टर और टीम से बातचीत करने के बाद हमने यह फैसला लिया है कि मैं बचे हुए सीजन से बाहर बैठूंगा। नीरज ने आगे लिखा, ''यह काफी निराशाजनक है, क्योंकि मैं पूरी तरह से अपनी लय हासिल करने के काफी करीब था। हालांकि, जैसा कहा जाता है कि 'बाधाएं और असफलताएं हमारी सफलता की यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं।' मेरा पूरा ध्यान अच्छे से रिकवरी करने और मजबूती से वापसी करने पर है। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद।'' नीरज चोपड़ा के पूरे सीजन से बाहर होने का मतलब है कि वे अब एशियन गेम्स टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। नीरज ने हाल ही में डायमंड लीग के फाइनल मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया था। इस सीजन में मैदान पर सिर्फ दो बार उतरने के बावजूद वह फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे थे।

महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ईएसजीएफ के प्रेसिडेंट चुने गए

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और जाने माने खेल प्रशासक आशीष शेलार को ई स्पोर्ट्स गेम्स फेडरेशन (ईएसजीएफ) का प्रेसिडेंट चुना गया है। यह बॉडी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के कॉम्पिटिटर के तौर पर बनाई गई है। शेलार को शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई ईएसजीएफ बोर्ड मीटिंग में प्रेसिडेंट चुना गया। उनके नाम का प्रस्ताव ईएसजीएफ के संस्थापक और कार्यकारी प्रेसिडेंट एडवोकेट नंदन झा और चेयरपर्सन अशोक ध्यानचंद ने रखा। प्रस्ताव का समर्थन ईएसजीएफ के सेक्रेटरी जनरल गुरशरण सिंह ने किया। साथ ही मीटिंग में मौजूद सभी सदस्यों और राज्य प्रतिनिधियों ने भी शेलार का समर्थन किया। क्रिकेट प्रशासन में लंबा अनुभव रखने वाले और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के मौजूदा बोर्ड सदस्य आशीष शेलार ने प्रेसिडेंट पद पर अपने चयन के बाद फेडरेशन के बोर्ड सदस्यों और राज्य के प्रतिनिधियों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि यह पद सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि भारत में ईस्पोर्ट्स की ग्रोथ को एक नई दिशा देने का एक मौका है।

बिजनस

सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की बिक्री-बुकिंग में 21 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली. एजेंसी। देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की सामूहिक बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 21 प्रतिशत घटकर करीब 40,000 करोड़ रुपये रह गई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच कुछ बड़ी कंपनियों ने आवासीय परियोजनाएं शुरू नहीं कीं, जिससे बिक्री पर असर पड़ा। निवेशकों को दी गई प्रस्तुतियों से जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की कुल बिक्री बुकिंग यानी पूर्व-बिक्री चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 39,964 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 50,900 करोड़ रुपये थी। बिक्री बुकिंग में सबसे बड़ा योगदान आवास क्षेत्र का रहा। बिक्री बुकिंग के मामले में गोदरेज प्रॉपर्टीज सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी रही।

एफएमसीजी कंपनियों में चल रहा है शीर्ष प्रबंधन में बदलाव का दौर

नई दिल्ली. एजेंसी। देश में रोजमर्रा की जरूरत का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) में नेतृत्व परिवर्तन का दौर देखने को मिल रहा है। कई प्रमुख कंपनियां अपने परिचालन को अधिक प्रभावी बनाने, वृद्धि को गति देने और उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप ढलने के लिए नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त कर रही हैं तथा वरिष्ठ अधिकारियों को पदोन्नत कर रही हैं। पिछले लगभग 12 माह में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), डाबर इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और कोलगेट-पामोलिव इंडिया सहित कम से कम आधा दर्जन प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों ने शीर्ष स्तर पर बदलाव की घोषणा की है। नेस्ले इंडिया में इस अवधि से ठीक पहले नेतृत्व परिवर्तन हुआ था।

रेज ऑफ बिलीफ का आईपीओ एक सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली. एजेंसी। मॉम्स बिलीफ ब्रांड के तहत संचालित रेज ऑफ बिलीफ लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) एक सितंबर को खुलेगा। आईपीओ का मूल्य दायरा 227-239 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने सोमवार को सार्वजनिक घोषणा में बताया कि आईपीओ के तहत 125 करोड़ रुपये के करीब 52.30 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ एक सितंबर को खुलेगा और तीन सितंबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 31 अगस्त को बोली लगा पाएंगे। नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कंपनी की विस्तार योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए किया जाएगा, जिसमें वित्त वर्ष 2026-27 से 2028-29 के बीच 319 नए केंद्र स्थापित करना शामिल है। कंपनी के शेयर को आठ सितंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

केंद्र ने राज्यों से नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा

नई दिल्ली. एजेंसी। केंद्र सरकार ने घरों में पाइप के जरिये प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की पहुंच और इस्तेमाल बढ़ाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। ये अधिकारी गैस वितरण कंपनियों और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के साथ समन्वय कर उन घरों को पाइप वाली रसोई गैस से जोड़ने में मदद करेंगे, जहां पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने 21 अगस्त को राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे पत्र में कहा कि पीएनजी सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुविधाजनक ईंधन है। इसका इस्तेमाल बढ़ने से रसोई गैस सिलेंडर यानी एलपीजी की ढुलाई का बोझ कम होगा और शहरों में तैयार किए गए गैस वितरण ढांचे का बेहतर उपयोग हो सकेगा। मंत्रालय चाहता है कि इस मामले में जिला-स्तर पर हस्तक्षेप हो। मंत्रालय एक ऐसा नियामकीय ढांचा लागू करने वाला है जिसके तहत परिवार ऐसे इलाकों में एलपीजी और पीएनजी कनेक्शन दोनों एक साथ नहीं रख सकेंगे जहां पाइप वाली गैस उपलब्ध है।

भारत की आठ-नौ और देशों के साथ एफटीए पर बातचीत जारी: गोयल

तोक्यो. एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत कम से कम आठ-नौ और देशों के समूहों तथा अलग-अलग देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए बातचीत कर रहा है। इनसे कुल 15 हजार अरब डॉलर की अतिरिक्त जीडीपी वाली अर्थव्यवस्थाओं तक भारत की पहुंच बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों से अंततः वैश्विक व्यापार का करीब 75 प्रतिशत हिस्सा भारत के लिए खुल जाएगा और इससे देश को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भरोसेमंद भागीदार के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

गोयल ने यहां भारत और जापान के कारोबारी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का घरेलू बाजार बड़ा है और वह दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोल रहा है। पिछले चार वर्षों में भारत ने नौ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि इन नौ समझौतों के तहत 38 विकसित देशों समेत कुल 60 हजार अरब डॉलर की जीडीपी वाली अर्थव्यवस्थाएं आती हैं। मंत्री ने कहा कि जापान और कोरिया समेत विभिन्न देशों तथा आसियान

तरजीही बाजार पहुंच के दरवाजे खोल रहा भारत

गोयल ने कहा, आज भारत 70 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए तरजीही बाजार पहुंच के दरवाजे खोल रहा है। हम कम से कम आठ या नौ अन्य देशों के समूहों या देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिससे 15 हजार अरब डॉलर और जुड़ेंगे। उन्होंने कहा, इस तरह हमारे मुक्त व्यापार समझौतों के जरिये वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत हिस्सा कवर हो जाएगा और भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला का भरोसेमंद भागीदार बनने का अवसर मिलेगा। गोयल दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 200 से अधिक प्रतिनिधियों वाले एक बड़े कारोबारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

क्षेत्र के साथ पहले किए गए व्यापार समझौतों से 10 हजार अरब डॉलर की अतिरिक्त जीडीपी तक पहुंच बनी है।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 11 सितंबर को देशव्यापी हड़ताल की दी धमकी

कुछ राज्यों में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का अवकाश भी रहेगा। यूएफबीयू नौ बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी श्रम संघों का नेतृत्व करता है। इस शीर्ष संगठन ने 28 सितंबर से तीन दिन की एक और देशव्यापी हड़ताल करने की भी चेतावनी दी है।

नई दिल्ली. एजेंसी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने में देरी, प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को लेकर मतभेद और पेंशन संबंधी मुद्दों समेत कई लंबित मांगों को लेकर 11 सितंबर को देशव्यापी हड़ताल करने का फैसला किया है। अगर हड़ताल होती है तो देश के कई हिस्सों में बैंकिंग सेवाएं, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सेवाएं, चार दिनों तक प्रभावित हो सकती हैं। 11 सितंबर शुक्रवार है और इसके बाद के दो दिन बैंक अवकाश हैं। कुछ राज्यों में 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी का अवकाश भी रहेगा। यूएफबीयू नौ बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी श्रम संघों का नेतृत्व करता है। इस शीर्ष संगठन ने 28 सितंबर से तीन दिन की एक और देशव्यापी हड़ताल करने की भी चेतावनी दी है। यह हड़ताल छमाही लेखा बंदी के समय होगी। यूएफबीयू ने कहा कि यदि सरकार और बैंक प्रबंधन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देते हैं तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल करने का भी फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि यह फैसला रविवार को हुई बैठक में लिया गया। श्रम संघों के अनुसार, सरकार का उनकी प्रमुख मांगों के प्रति नकारात्मक रवैया रहा है। पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था के मुद्दे पर संगठन ने कहा कि भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने आठ मार्च, 2024 को हस्ताक्षरित 12वें द्विपक्षीय समझौते/नौवें संयुक्त पत्र (नोट) के तहत इस प्रस्ताव पर सहमति जताई थी। इसके तहत सोमवार से शुक्रवार तक काम के घंटों में 40 मिनट की बढ़ोतरी की जानी थी। यूएफबीयू ने कहा कि बाद में इस प्रस्ताव की सरकार से सिफारिश की गई, लेकिन यह दो साल से अधिक समय से लंबित है।

अधिकतम 365 दिन के मूल वेतन के बराबर पीएलआई मिल सकता है

यूएफबीयू ने कहा कि सरकार की योजना के तहत स्केल-IV और उससे ऊपर के स्तर के अधिकारियों को व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर अधिकतम 365 दिन के मूल वेतन के बराबर पीएलआई मिल सकता है। वहीं, कामगार कर्मचारियों और स्केल-III तक के अधिकारियों को अधिकतम 15 दिन के मूल वेतन के साथ महंगाई भत्ता मिल सकता है। उसने दावा किया कि पीएलआई का मुद्दा यूएफबीयू की हड़ताल की घोषणा के बाद फिलहाल मुख्य श्रम आयुक्त (सीएलसी) के समक्ष सुलह प्रक्रिया में है और दिल्ली उच्च न्यायालय में भी लंबित है। यूएफबीयू ने आरोप लगाया कि सुलह प्रक्रिया लंबित होने और आईबीए के साथ द्विपक्षीय बातचीत करने की पेशकश के बावजूद वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने बैंकों को सरकार की प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना लागू करने की सलाह दी है।

सैमसंग गैलक्सी एस27 सीरीज: वन यूआई 9.5, गैलक्सी एआई 2.0 और सैटेलाइट कनेक्टिविटी के साथ लीक हुए बेहतरीन फीचर्स

मुंबई. एजेंसी

सैमसंग गैलक्सी एस27 सीरीज के लीक्स सामने आए हैं। इसमें वन यूआई 9.5, गैलक्सी एआई 2.0, सैटेलाइट कनेक्टिविटी, अपग्रेटेड एनएफसी/एमएसटी, एक्सिनोस प्रोसेसर संग यूडबल्यूबी और नमी-रोधक कैमरा चेसिस मिलेगा। सैमसंग लवर्स के लिए एक बेहद रोमांचक खबर सामने आ रही है। हालांकि आधिकारिक लॉन्च की तारीख अभी काफी दूर है, लेकिन सैमसंग की अगली पीढ़ी के फ्लैगशिप स्मार्टफोन सैमसंग गैलक्सी एस27 सीरीज को लेकर पहली तकनीकी जानकारियां और बड़े लीक्स सामने आने लगे हैं। लीक हुई खबरों के अनुसार, आगामी गैलेक्सी एस27 सीरीज में सॉफ्टवेयर से लेकर हार्डवेयर कनेक्टिविटी तक कई ऐसे बड़े अपग्रेड मिलने वाले हैं जो स्मार्टफोन के अनुभव को पूरी तरह बदल देंगे।

बेहद तेज और सुरक्षित वायरलेस पेमेंट

सैमसंग ने अपने नए स्मार्टफोन्स में वायरलेस कनेक्टिविटी और वन-टच पेमेंट को और अधिक मजबूत बनाने के लिए हार्डवेयर स्तर पर बड़े बदलाव किए हैं। गैलेक्सी एस27 में रेडियो सिग्नल रिसेप्शन को बेहतर बनाने के लिए एनएफएस हार्डवेयर मॉड्यूल की स्थिति में बदलाव किया गया है। इससे वायरलेस डेटा ट्रांसफर और वन-टच पेमेंट पहले से कहीं अधिक स्थिर और सुरक्षित हो जाएंगे।

ललिता ज्वेलरी मार्ट का शेयर निर्गम मूल्य से 32 प्रतिशत चढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली. एजेंसी

आभूषण खुदरा कारोबार से जुड़ी कंपनी ललिता ज्वेलरी मार्ट लिमिटेड का शेयर अपने 201 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 32 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 31.99 प्रतिशत चढ़कर 265.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर इसने 31.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 265 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,462.90 करोड़ रुपये रहा। ललिता ज्वेलरी मार्ट के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 62.97 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 190-201 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आभूषण खुदरा कंपनी ने गोल्डमैन सैक्स, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बंधन म्यूचुअल फंड समेत बड़े (एंकर) निवेशकों से 508 करोड़ रुपये जुटाए हैं। ललिता ज्वेलरी मार्ट ने 1985 में चेन्नई के टी नगर में अपना पहला स्टोर खोला था। कंपनी सोने, चांदी और हीरे के आभूषणों की बिक्री करती है।

भीलवाड़ा भाजपा में बगावत, महिलाओं का धरना, अजमेर के पूर्व मेयर धर्मेंद्र गहलोत की पत्नी ने भरा निर्दलीय का नामांकन

कहीं पर टिकट बांटने का आरोप, तो कहीं उम्मीदवारों के समर्थकों में चले लात-घूंसे

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। प्रदेश में नगर निकाय चुनाव लिस्ट आने से पहले ही कई जगह बगावत शुरू हो गई। भीलवाड़ा में महिला मोर्चा की पदाधिकारी धरने पर बैठ गई। शुक्रवार शाम से उनका धरना जारी है। महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व पर टिकट बांटने में परिवारवाद का आरोप लगाया है।

अजमेर में दो बार मेयर रहे धर्मेंद्र गहलोत ने कुछ दिनों पहले भाजपा छोड़ दी थी। शनिवार को उनकी पत्नी ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिया। पाली में पूर्व सभापति राकेश भाटी ने भाजपा छोड़ कांग्रेस जॉइन कर ली। बाड़मेर नगर परिषद में पार्षद उम्मीदवार के साथ नामांकन दाखिल करने आए उसके समर्थकों के दो गुट आपस में भिड़ गए।

पति की 5 महीने पहले हत्या हुई, पत्नी चुनाव मैदान में उतरी

भरतपुर की नदबई नगर पालिका चुनाव में ज्वेलर योगेंद्र चोपड़ा की पत्नी शालू चोपड़ा चुनावी मैदान में उतरी हैं। उन्होंने बीजेपी और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में शनिवार को वार्ड संख्या 5 से 2 नामांकन दाखिल किए। 25 मार्च 2026 को ज्वेलर योगेन्द्र चोपड़ा अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। तभी बदमाशों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

बीकानेर में टिकट के लिए फोन आने का दावा: थाली बजाकर खुशी जताई

बीकानेर में बीजेपी के पूर्व विधायक के करीबी रिश्तेदार को टिकट के लिए फोन आने का दावा किया जा रहा है। कॉल के बाद वार्ड की महिलाओं ने थाली बजाकर खुशी जताई। हालांकि भाजपा की ओर से अभी कोई लिस्ट जारी नहीं की गई है। लिस्ट जारी नहीं होने से कुछ वार्डों में पार्टी के सामने बागी प्रत्याशियों के चुनाव मैदान में उतरने की स्थिति भी बन रही है।

भाजपा को बगावत का डर, डैमेज कंट्रोल टीम बनाई

जयपुर संभाग के प्रभारी और पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा- चुनाव के दौरान नाराजगी होना और बाद में कार्यकर्ताओं की पार्टी में वापसी होना एक सामान्य प्रक्रिया है। संभावित बगावत और नाराजगी को दूर करने के लिए पार्टी ने डैमेज कंट्रोल टीम भी बनाई है।

भाजपा में टिकटों पर मंथन

भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन को लेकर शनिवार को भी बीजेपी मुख्यालय में बैठकें हुई। जयपुर स्थित भाजपा मुख्यालय में जयपुर और भरतपुर संभाग के नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद चुनावों के प्रत्याशियों के नामों पर मंथन किया गया। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व बीजेपी अध्यक्ष स्व. मदनलाल सैनी की बेटी ने कोटा में वार्ड 75 से मांगा टिकट

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. मदन लाल सैनी की बेटी शकुंतला सैनी ने कोटा के वार्ड 75 से बीजेपी से टिकट के लिए आवेदन किया है। शकुंतला सैनी रामपुरा इलाके में रहती हैं। उनके पति डॉ. दुर्गा शंकर सैनी सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेते हैं। डॉ. दुर्गा शंकर सैनी ने बताया- शकुंतला सैनी ने 22 अगस्त को पार्टी के जिला कार्यालय में जाकर आवेदन किया है।

पाली नगर निगम में कांग्रेस से 34 और बीजेपी से 15 पर्चे भरे गए

पाली नगर निगम चुनाव के लिए 76 पर्चे दाखिल किए। अब तक कांग्रेस से 34 और बीजेपी से 15 नामांकन भरे गए हैं। हालांकि अभी दोनों ही पार्टियों ने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है। इसके अलावा आप से 1 प्रत्याशी और 26 निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन भरा है।

राजसमंद के आमेट में 25 नामांकन भरे, सभी भाजपा प्रत्याशी के तौर पर

राजसमंद की आमेट नगर पालिका में नगर निकाय चुनाव के लिए अभी तक 25 नामांकन भरे गए है। सभी नामांकन भाजपा उम्मीदवार के तौर पर भरे गए है। अभी तक भाजपा और कांग्रेस ने अपने दावेदारों की लिस्ट जारी नहीं की है। 25 नामांकन में से 24 नामांकन 29 अगस्त को और 1 नामांकन 27 अगस्त को दाखिल किया गया था। 9 महिला और 16 पुरुष प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी पेश की है।

बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस से 9 और भाजपा से 5 नामांकन भरे गए

बीकानेर नगर निगम के चुनाव में शनिवार को भी कांग्रेस भाजपा की लिस्ट जारी नहीं हुई। इसके बाद भी अब तक कांग्रेस के 9 और भाजपा के 5 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं। वहीं सीपीआई (एम) के 4, आरएलपी के 7 और आम आदमी पार्टी के टिकट का दावा करते हुए एक उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया है।

भाजपा के प्रदेश निकाय चुनाव प्रभारी बोले- अब तक कोई विरोध सामने नहीं आया

भाजपा के प्रदेश निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी से पूछा गया कि क्या किसी विधायक को नोटिस जारी किया गया है तो उन्होंने ने कहा- नोटिस अनुशासनहीनता का होता है। अनुशासनहीनता 31 के बाद में होगी। अभी तो पार्टी ने कोई घोषणा ही नहीं की है। अनुशासनहीनता किस बात की? किसी को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है। किसी प्रकार का अब तक कोई विरोध सामने नहीं आया है। रविवार शाम तक बैठकों के दौर खत्म हो जाएगा। 31 तारीख को भाजपा के सभी 10 हजार से ज्यादा उम्मीदवार अपना नामांकन भरेंगे।

प्रधान पत्नी-पति, सभापति पिता-पुत्र ने एक ही वार्ड से भरा पर्चा

बहरोड़ नगर परिषद में 29 अगस्त को नामांकन के दूसरे दिन बहरोड़ नगर परिषद चुनाव में कई चर्चित चेहरों ने अपनी दावेदारी पेश की। बहरोड़ पंचायत समिति प्रधान सरोज यादव और उनके पति एडवोकेट बस्तीराम यादव ने वार्ड नंबर 28 से एक साथ नामांकन दाखिल किया।

बस्तीराम यादव पूर्व में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। वहीं सरोज यादव पूर्व में उप जिला प्रमुख रह चुकी हैं। दोनों के एक ही वार्ड से नामांकन दाखिल करने से वार्ड 28 का चुनावी मुकाबला चर्चा में आ गया है। इसी तरह नगर परिषद सभापति सीताराम यादव और उनके बेटे समय सिंह यादव ने वार्ड नंबर 36 से नामांकन दाखिल किया। दोनों ने भाजपा के सिंबल पर चुनाव लड़ने की दावेदारी जताई है। सभापति सीताराम यादव ने भाजपा के साथ एक निर्दलीय नामांकन पत्र भी दाखिल किया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई पिकअप, 3 की मौत

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। अलवर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पिकअप और ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। दो युवक घायल हैं। हादसा गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के सिरमौर पुलिया के पास शनिवार सुबह करीब 4 बजे हुआ।

एसएचओ धीरेंद्र सिंह ने बताया- गाड़ी में मेरठ के रहने वाले 5 युवक थे। इनमें से तीन गाड़ी पिछले हिस्से में सो रहे थे। पिकअप ट्रक से टकराकर पलटी तो सो रहे तीनों युवक इसके नीचे दब गए। इनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ये सभी मेरठ से पौधे लेकर आ रहे थे। शुक्रवार (28 अगस्त) को भी दौसा जिले में एक्सप्रेस-वे पर हुई अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

डिवाइडर से टकराकर पलटी पिकअप

पिकअप ड्राइवर उजैर ने बताया कि गाड़ी का अगला हिस्सा ट्रक से टकराया था। इसके बाद गाड़ी अनियंत्रित होकर पास के डिवाइडर से टकरा गई। स्पीड ज्यादा होने के कारण गाड़ी घिसटते हुए सड़क के दूसरी ओर चली गई। पीछे सो रहे शाहदाव (45), सबाहत (25) और अफसर (22) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ड्राइवर केबिन में बैठा औरंगजेब और वो घायल हुए हैं।

मेरठ में नर्सरी, पौधे लगाने का काम करते हैं

घायल युवकों ने बताया कि वे सभी पौधे लगाने का काम करते हैं। मेरठ में उनकी नर्सरी है। उन्हें अलवर के राजगढ़ में एक फार्म हाऊस में पौधे लगाने का काम मिला था। इसके लिए वो राजगढ़ जा रहे थे। हादसे में जान गंवाने वाला शाहदाव 5 बच्चों का पिता था। जबकि, अन्य दोनों युवक अविवाहित थे।

एएसआई कुंवर सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ौदामेव पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने तीन युवाओं को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने युवकों के परिजनों को गोविंदगढ़ बुला लिया है। शवों को गोविंदगढ़ मोर्च्युरी में रखवाया गया है।

भीलवाड़ा में अज्ञात बदमाशों ने बुजुर्ग को गोली मारी

दैनिक सम्राट संवाददाता

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के मांडल थाना क्षेत्र के सीडियास गांव में शुक्रवार रात खेत पर बने बाड़े में फायरिंग हुई। बाड़े में भैंसों की देखभाल कर रहे 70 साल के शंकर दरोगा को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। गोली सीने में लगने से शंकर घायल हो गए और उन्हें पहले मांडल हॉस्पिटल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उन्हें भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां उनकी हालत नाजुक है। मामला भीलवाड़ा के मांडल थाना क्षेत्र के सीडियास गांव का है। गांव निवासी शंकर पिता उदयराम दरोगा (70) शुक्रवार शाम अपने खेत पर बने बाड़े में भैंसों की देखभाल करने गए थे। इसी दौरान अचानक अज्ञात बदमाश बाड़े में पहुंचे और शंकर पर फायर कर दिया। गोली उनके सीने में लगी, जिससे वे घायल होकर गिर पड़े। फायरिंग के बाद घायल शंकर ने अपने बेटे भंवर को फोन कर वारदात की जानकारी दी। उन्होंने बेटे को बताया कि किसी ने उन्हें गोली मार दी है। भंवर को फोन मिलने के बाद वह खेत पर बने बाड़े में पहुंचा। वहां उसके पिता शंकर घायल हालत में मिले। इसके बाद बेटा और ग्रामीण उन्हें उपचार के लिए मांडल हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।

बेटे ने कहा- गोली किसने मारी, पता नहीं

शंकर के बेटे भंवर सिंह ने बताया कि उनके पिता शंकर शुक्रवार शाम सीडियास गांव में उनके खेत पर बने बाड़े में गाय-भैंसों की रखवाली करने गए थे। भंवर सिंह के अनुसार, रात करीब 9 बजे उनके पिता ने फोन करके बताया कि किसी ने उन्हें गोली मार दी है। इसके बाद वह बाड़े पर पहुंचे और पिता को घायल हालत में देखा।

बोलने की आजादी को बैन करना चाहती सरकार: अशोक गहलोत

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोनिया गांधी की किताब के प्रकाशन को लेकर उठे विवाद के बीच केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने केंद्र सरकार पर बोलने की आजादी को बैन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पहले 10 नवंबर को सोनिया गांधी की बुक छपकर आने वाली थी। लेकिन पैंग्विन अब इंडिया में यह किताब छापने के लिए तैयार नही है? गहलोत ने कहा-कोई न कोई दबाव तो है, चाहे पीएओ का होगा या फिर किसी और का होगा, वो तो वक्त बताएगा।

'अंश हटाने को कहा गया, सोनिया गांधी ने मना कर दिया'

गहलोत के अनुसार पैंग्विन ने सोनिया गांधी से पूछा कि हम कुछ अंश हटाना चाहते हैं। लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया। गहलोत ने कहा कि किताब में चीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को लेकर कुछ टिप्पणियां हो सकती हैं, इसलिए शायद कुछ लोगों को परेशानी हुई होगी। उन्होंने सवाल किया कि फिर डेमोक्रेसी कहां रही? आप फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन को बैन करना चाहते हो। गहलोत ने इसे संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताया।

पूरी दुनिया में किताब छपेगी, इंडिया में नहीं छपेगी

गहलोत ने कहा- राहुल गांधी बार बार यही बात कहते हैं, संविधान बचाओ का मतलब क्या है? आप दबाव बनाकर सोनिया गांधी की किताब से क्यों इस तरह अंश हटवाना चाहते हो? पूरी दुनिया में किताब छपेगी, इंडिया में नहीं छपेगी बस। बता दीजिए आप, बहुत ही गलत तरीके से यह एक्ट हुआ है। वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। आज चाहे पक्ष हो, विपक्ष हो, आप किसी से सोनिया गांधी के व्यक्तित्व को लेकर बात करेंगे तो इक्के-दुक्के कोई पागल लोग होंगे उनको छोड़ दीजिए, बाकी लोग उनके कृतित्व की तारीफ करते हैं।

आजादी मिलते ही इन्होंने संविधान का विरोध किया था, ये नक्सली सोच वाले

आरएसएस के मुखपत्र में यूपीए सरकार के समय सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली नेशनल एडवाइजरी कमेटी को दिमागी नक्सल बताने पर गहलोत ने कहा- मुझे लगता है वो खुद ही नक्सली सोच वाले लोग होंगे। आज़ादी मिलते ही इन्होंने संविधान का विरोध किया था। ये संविधान का विरोध करने वाले लोग हैं और उस जमाने में मनुस्मृति की बात करने लग गए थे।

'भाजपा जीतेगी निकाय चुनाव: शेखावत'

दैनिक सम्राट संवाददाता

जयपुर। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को दावा किया कि आगामी नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में 'अभूतपूर्व और सकारात्मक माहौल' है। अशोक गहलोत के इस बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दावा किया है कि इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूरे प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीतेगी और उन्हें (गहलोत को) अपने बयान पर फिर समीक्षा करनी पड़ेगी।

शनिवार को जयपुर में गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि उन्हें शत-प्रतिशत विश्वास है कि भाजपा केवल जयपुर ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान में प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीतने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है और आने वाले दिनों में तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

कांग्रेस को फिर से करना पड़ेगा विचार

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दावा किया कि अगले 10-12 दिनों में जब चुनाव परिणाम सामने आएंगे, तब कांग्रेस को अपनी स्थिति पर फिर से विचार करना पड़ेगा। शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत इस बार फिर समीक्षा करने के लिए तैयार रहें कि उनकी पार्टी में क्या सिर-फुटव्वल था कि उनके जो रुझान थे, वे गलत साबित हुए। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम कांग्रेस के दावों और उसके आकलन की वास्तविकता सामने रख देंगे।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को कहा कि आगामी नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में सकारात्मक माहौल है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह पूरी सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर चुनावी मैदान को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक उमेश कुमार शर्मा के लिए मुद्रक ताराचंद कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 17, मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित व 103, लक्ष्मीनगर, मंगोड़ी वालों की बगीची, ब्रह्मपुरी जयपुर, राज. से प्रकाशित।
सम्पादक: उमेश कुमार शर्मा **कार्यालय:** दैनिक सम्राट, आनंद सिटी गेट, तिलक हॉस्पिटल के पास, आगरा रोड, जयपुर। **मो.- 9950776350** (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा) आर.एन.आई नं.- RJHIN/25/A1928